संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 46 मंगलवार 17 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

व्हिप ने जारी की व्हिप, लोकसभा में पेश होगा एक देश,एक चुनाव बिल

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2024 (ए)। भाजपा ने अपने सांसदों को व्हिप जारी किया है. आज लोकसभा में रहने का व्हिप जारी किया गया है. कल लोकसभा में एक देश,एक चुनाव बिल पेश होगा. केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल बिल पेश करेंगे. कल दोपहर 12 बजे अर्जुन मेघवाल बिल पेश करेंगे। भारतीय जनता पार्टी ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया गया। बताया जा रहा है कि लोकसभा में कल यानी मंगलवार को एक देश, एक चुनाव बिल पेश किया जाएगा। इस बिल को केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल पेश करेंगे। बीजेपी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल कल लगभग 12 बजे लोकसभा में बिल पेश करेंगे। बताया जा रहा है कि इसके बाद बिल को जेपीसी में भेज दिया जाएगा।

शंभू-खनौरी बॉर्डर पर ट्रैक्टर लेकर डटे किसान

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2024 (ए)। शंभू-खनौरी बॉर्डर पर अपनी 13 मांगों को लेकर किसानों का प्रदर्शन सोमवार को भी जारी है। 2 दिन पहले किसानों ने आज की तारीख में ट्रैक्टर मार्च निकालने का ऐलान किया था। किसानों ने ऐलान करते हुए कहा था कि 16 दिसंबर को पंजाब को छोड़कर देशभर में ट्रैक्टर मार्च निकाले जाएंगे। यह मार्च सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक निकाला जा रहा है। दूसरी ओर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन आज 20वां दिन भी जारी है। उनका वजन काफी कम हो गया है, उनकी तबीयत बिगड़ती जा रही है, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक किसानों की मांग पर कोई आदेश नहीं आया है।

नए साल से भिखारियों को भीख देने वालों के खिलाफ एफ आईआर दर्ज होगी

इंदौर,16 दिसम्बर 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के इंदौर को भिखारियों से मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन 1 जनवरी, 2025 से भिखारियों को भीख देने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना शुरू कर देगा।

फिलिस्तीन के सपोर्ट वाला बैग लेकर संसद पहुंचीं प्रियंका

» उस पर लिखा था- फिलिस्तीन आजाद होगा, बोलीं:मुझे क्या पहनना है,ये कोई रूढ़िवादी नहीं बताएगा...

» फिर दिया सीधा मैसेज

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2024 (ए)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा का एक बार फिर फिलिस्तीन प्रेम दिखाई दिया है। प्रियंका गांधी पीएएलईएसटीआईएनई लिखे बैग को लेकर संसद पहुंची हैं। उनकी एक तस्वीर सामने आई है जिसमें उनके बैग में फिलिस्तीन लिखा हुआ है। इस बैग के जरिए एक बार फिर प्रियंका गांधी फिलिस्तीन के समर्थन में नजर आई हैं और उन्होंने सीधा मैसेज दिया है। ऐसा पहली बार नहीं कि प्रियंका गांधी ने फिलिस्तीन का समर्थन किया है। हाल ही में भारत में आए फिलिस्तीन के राजदूत से उन्होंने मुलाकात की थी। फिलिस्तीनी राजदूत ने प्रियंका गांधी को वायनाड लोकसभा चुनाव में जीत की बधाई दी थी।

बैग पर बने फिलिस्तीन के प्रतीक चिह्न

फिलिस्तीन के 8 प्रतीक चिह्न ऐसे हैं, जो उनकी पहचान और इजराइल के लिए विरोध को दिखाते हैं। प्रियंका जो बैग लाईं थीं,उसमें कैफियेह, तरबूज, जैतून की शाखा, फिलिस्तीन कढ़ाई, शांति का प्रतीक का कबूतर बना हुआ है। बैग पर फिलिस्तीन झंडे का लाल, हरा, सफेद और काला रंग भी है।

प्रियंका गांधी ने की इजराइल की निंदा

फिलिस्तीनी राजदूत से मुलाकात के दौरान प्रियंका गांधी हमास और इजराइल के बीच छिड़े युद्ध में फिलिस्तीन के साथ खड़ी साफ नजर आई थी. उन्होंने मीटिंग के दौरान गाजा में चल रही इजराइली सेना की कार्रवाइयों की निंदा की और क्षेत्र में हो रहे विनाश और तबाही के लिए दुख जताया. कांग्रेस सांसद ने कहा, मैं हर उस मां के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं जिसनेइस जंग में अपना बच्चा खोया है. साथ ही उन्होंने गाजा में संकट को संबोधित करने में अंतरराष्ट्रीय ग्रुप की चुप्पी की भी आलोचना की. प्रियंका गांधी ने जुलाई में, गाजा में इजराइल के एक्शन को बर्बर बताया था, उन्होंने हर देश से इजराइली सरकार के ÷नरसंहार कार्यों÷ और अटैक की निंदा करने और इसे रोकने के लिए कहा था·

फिलिस्तीन पर खुलकर बोलीं प्रियंका

इस साल अक्टूबर में हमास और इजराइल के बीच शुरू हुई जंग को 1 साल पूरे होने पर भी प्रियंका गांधी ने इजराइल पर निशाना साधा था. गाजा में बढ़ती मौतों के बीच प्रियंका ने इजराइल पर हमला बोला था और गाजा पर हर अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था. कांग्रेस सांसद ने कहा था, गाजा में 7,000 लोगों की हत्या के बाद भी और हिंसा का सिलसिला नहीं रुका है. इन 7,000 लोगों में से 3,000 मासूम बच्चे थे. हालांकि, वायनाड में चुनाव लड़ते समय भी लगातार प्रियंका गांधी ने फिलिस्तीन का मुद्दा उठाया है.

इजराइल-फिलिस्तीन के बीच 1 साल से जंग जारी, 45 हजार से ज्यादा मौतें

गाजा में इजराइल और हमास के बीच 1 साल से भी लंबे समय से जंग चल रही है। अब तक इजराइली हमलों में 45 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इजराइली हमलों में अब तक हमास के दो चीफ इस्माइल हानियेह और याह्या सिनवार मारे जा चुके हैं। इसके बाद से गाजा में हमास के कोई नया नेता घोषित नहीं हुआ है।

प्रियंका बोलीं:सरकार बांग्लादेश में हिंदू और ईसाई अल्पसंख्यकों पर आवाज उठाए

लोकसभा में सोमवार को प्रियंका गांधी ने प्रश्नकाल में सवाल किया। उन्होंने कहा-मैं सबसे पहले जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहती हूं, वह यह है कि इस सरकार को बांग्लादेश में हिंदू और ईसाई अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, उनसे बातचीत करनी चाहिए और उनका समर्थन लेना चाहिए।

दूसरा मुद्दा यह है कि आज सेना के मुख्यालय से एक तस्वीर उतारी गई है, जिसमें पाकिस्तानी सेना भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर रही है। आज विजय दिवस है। सबसे पहले मैं 1971 के युद्ध में हमारे लिए लड़ने वाले वीर जवानों को नमन करना चाहती हूं।

प्रियंका ने कहा- बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा था, बांग्लादेश के लोगों, हमारे बंगाली भाइयों और बहनों की आवाज कोई नहीं सुन रहा था। उस समय इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, मैं उन्हें नमन करना चाहती हूं। उन्होंने सबसे कठिन परिस्थितियों में साहस दिखाया और ऐसा नेतृत्व दिखाया जिससे देश विजयी हुआ।

भारत का फिलिस्तीन को समर्थन

भारत का रुख फिलिस्तीन के पक्ष में रहा है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में उस प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसमें 1967 से कब्जाए गए पूर्वी यरुशलम सहित फिलिस्तीनी क्षेत्रों से इजराइल के हटने और पश्चिम एशिया में न्यायपूर्ण एवं स्थायी शांति की अपील की गई। इस प्रस्ताव को सेनेगल की ओर से पेश किया गया था, जिस पर 157 देशों ने सहमति जताई।

इस मुलाकात में प्रियंका गांधी ने फिलिस्तीन के साथ अपना समर्थन साफ तौर पर झलकाया था। उन्होंने आजादी हासिल करने के लिए फिलिस्तीनी लोगों के संघर्ष के लिए अपने समर्थन की बात कही। उन्होंने कहा कि वह बचपन से ही फिलिस्तीनी हितों के लिए जी रही हैं और इसके न्याय में यकीन रखती हैं। इसके अलावा उन्होंने बचपन में फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफात की भारत यात्रा के दौरान कई बार पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी से उनकी मुलाकात का भी जिक्र किया था।

हमास और इजराइल के बीच युद्ध

हमास और इजराइल के बीच 7 अक्टूबर 2023 से युद्ध चल रहा है. हमास ने इजराइल पर अटैक किया था। इसी के बाद इजराइल ने लगातार गाजा पर विध्वंसक हमले किए हैं। इन हमलों में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (ओएचसीएचआर) के कार्यालय ने नवंबर में एक रिपोर्ट सामने रखी थी, रिपोर्ट के मुताबिक, गाजा में इजराइल के युद्ध के पहले छह महीनों के दौरान कथित तौर पर 34,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। साथ ही कई लोग घायल हुए हैं। इन हमलों में बड़ी संख्या में बच्चे और महिलाएं घायल हुए हैं।

पीएम म्यूजियम ने राहुल गांधी को कहा:लौटाएं एडविना

» आइंस्टीन को लिखी गईं नेहरू की चिट्ठियों समेत अन्य ऐतिहासिक दस्तावेज...

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2024 (ए)। प्रधानमंत्री संग्रहालय ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को एक पत्र लिखा है, जिसमें उनसे नेहरू से जुड़े ऐतिहासिक दस्तावेज़ वापस करने का अनुरोध किया गया है। 10 दिसंबर को भेजे गए इस पत्र में कहा गया कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 51 बक्सों में रखी सभी चिट्ठियों को म्यूजियम को लौटाया जाए। इन चिट्ठियों में पंडित नेहरू द्वारा एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण और विजयलक्ष्मी पंडित जैसी प्रमुख हस्तियों को लिखे गए पत्र शामिल हैं। म्यूजियम ने इन दस्तावेजों को वापस करने या उनकी स्कैनिंग की अनुमति देने की अपील की है ताकि उनका संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

2008 में सोनिया गांधी ने मंगवाई थीं चिट्ठियां

प्रधानमंत्री म्यूजियम और लाइब्रेरी सोसाइटी के सदस्य रिजवान कादरी ने बताया कि 2008 में यूपीए सरकार के दौरान ये चिट्ठियां सोनिया गांधी के पास भेजी गईं। नेहरू परिवार की प्रतिनिधि के रूप में सोनिया गांधी ने इन चिट्ठियों को मंगवाया था। कादरी ने यह भी कहा कि एक बार दान की गई वस्तुएं वापस नहीं ली जानी चाहिए थीं, लेकिन राहुल गांधी की मंशा पर सवाल नहीं उठाते हुए उन्होंने इन चिट्ठियों की फोरेंसिक ऑडिट की मांग की है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन दस्तावेजों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है।

नेहरू मेमोरियल का नाम बदला गया

15 जून 2023 को नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी का नाम बदलकर'प्रधानमंत्री म्यूजियम और लाइब्रेरी' रखा गया था। यह म्यूजियम दिल्ली के तीन मूर्ति मार्ग पर स्थित है और इसका क्षेत्रफल 15,600 स्क्वायर मीटर है। 306 करोड़ रुपए की लागत से बने इस म्यूजियम में देश के प्रधानमंत्रियों के योगदान को समर्पित किया गया है, और इसका प्रबंधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होता है।

भाजपा ने उठाए सवाल

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने गांधी परिवार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि इन दस्तावेजों को सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है। पात्रा ने यह भी पूछा कि क्या राहुल गांधी अपनी मां सोनिया गांधी से इन चिट्ठियों को वापस लौटाने पर चर्चा करेंगे। भाजपा का कहना है कि यह दस्तावेज़ देश की धरोहर हैं और इन्हें म्यूजियम में संरक्षित रहना चाहिए। पात्रा ने कहा कि इन चिट्ठियों में वैश्विक और देश के प्रमुख नेताओं से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य हो सकते हैं, और अब राहुल गांधी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये दस्तावेज म्यूजियम में वापस लौटाए जाएं।

म्यूजियम ने मांगी स्कैनिंग की अनुमति

इतिहासकारों और म्यूजियम प्रबंधन का मानना है कि नेहरू के ये पत्र ऐतिहासिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन दस्तावेजों को संरक्षित करने और जनता के सामने लाने की मांग बढ़ रही है। म्यूजियम ने स्पष्ट किया है कि वह केवल इन चिट्ठियों को संरक्षित करना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने गांधी परिवार से इन पत्रों को लौटाने या उनकी स्कैनिंग की अनुमति देने की अपील की है।

इंडी गठबंधन को अब उमर अब्दुल्ला ने दिया झटका

» ईव्हीएम पर भरोसा नहीं तो चुनाव न लड़ें कांग्रेस,रोना बंद करें

जम्मू-कश्मीर,16 दिसम्बर 2024 (ए)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईव्हीएम पर सवाल उठाने को लेकर कांग्रेस पर तंज कसा है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि ईव्हीएम पर भरोसा नहीं है तो चुनाव ही न लड़ें। उन्होंने कहा कि जब चुनाव में जीत मिलती है तो जश्न मनाते हैं,लेकिन हारने पर ईव्हीएम को दोष देना गलत है। एक मीडिया को दिए इंटरव्यू में उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पार्टियों को चुनाव लड़ने से पहले यह तय करना चाहिए कि उन्हें ईव्हीएम पर भरोसा है या नहीं। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब ईव्हीएम के जरिए 100 से ज्यादा सांसद चुने जाते हैं तो इसे सही ठहराते हैं। लेकिन जब नतीजे आपके पक्ष में नहीं आते, तो इस पर सवाल उठाना ठीक नहीं। अगर ईव्हीएम पर उनका भरोसा नहीं है,तो चुनाव लड़ने का क्या मतलब है।

मस्जिद में जय श्री राम के नारे लगाना अपराध कैसे है...

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कर्नाटक सरकार से पूछा है कि क्या किसी मस्जिद में जयश्री राम का नारा लगाना अपराध है। इसके साथ ही अदालत ने पूछा कि एक मस्जिद में कथित तौर पर नारेबाजी करने वाले आरोपियों की पहचान कैसे की गई ? जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने यह भी पूछा है कि क्या आरोपियों की पहचान तय करने से पहले सीसीटीवी फुटेज या किसी अन्य तरह के साक्ष्य की जांच की गई थी। शीर्ष अदालत कर्नाटक हाई कोर्ट के एक फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि मस्जिद के अंदर जय श्रीराम का नारा लगाना धार्मिक भवनाओं को ठेस पहुंचाने जैसा अपराध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने ये सवाल अपीलकर्ता के वकील से पूछे और निर्देश दिया कि राज्य सरकार को भी शिकायत की एक प्रति दें। इस मामले में राज्य सरकार ने अभी तक हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की है। दरअसल, हाई कोर्ट ने 13 सितंबर को उन दो शख्स के खिलाफ कर्नाटक पुलिस द्वारा शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया था, जिन पर एक मस्जिद में घुसकर जय श्रीराम का नारा लगाने और दूसरों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और अपमानित करने के आरोप थे। इस मामले में दक्षिण कन्नड़ जिले की पुलिस ने दो युवकों को पिछले साल एक स्थानीय मस्जिद में नारेबाजी करने के आरोप में नामजद किया था। इन दोनों पर मस्जिद में घुसकर जय श्रीराम का नारा लगाने और लोगों को धमकी देने के आरोप थे। कथित तौर पर दोनों आरोपियों ने मुस्लिमों को धमकी दी थी कि वे उन लोगों को शांति से रहने नहीं देंगे।

इंजीनियर अतुल सुभाष सुसाइड केस के बारे में पत्नी निकिता सिंघानिया ने क्या बताया ?

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2024 (ए)। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या मामले में पुलिस की कार्रवाई जारी है। अब गिरफ्तार हो चुकीं पत्नी निकिता सिंघानिया ने अतुल पर ही उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने निकिता के अलावा अतुल की सास निशा सिंघानिया और साले अनुराग सिंघानिया को गिरफ्तार किया है। तीनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पूछताछ के दौरान निकिता ने दावा किया है कि उसने अतुल को परेशान नहीं किया, बल्कि पति ही उसे परेशान करता था। निकिता का दावा है कि वह करीब 3 सालों से अतुल से अलग रह रही थीं। उन्होंने कहा कि अगर वह उत्पीड़न करतीं, तो उससे दूर क्यों रहतीं। निकिता को पुलिस ने हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है।

बेंगलुरु पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि निकिता की मां निशा सिंघानिया और उसके भाई अनुराग सिंघानिया को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया गया, बेंगलुरु लाया गया और स्थानीय अदालत में पेश करने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

CSR राशि के आवंटन में मनमानी पर सांसद बृजमोहन ने उठाए सवाल

मंत्री ने कुछ इस तरह दी सफाई

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2024 (ए)। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कंपनियों द्वारा CSR की रकम से कराये जाने वाले जनहित के कार्यों में की जाने वाली मनमानी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एक महत्वपूर्ण मद है। लेकिन कंपनी अधिनियम 2013 के तहत सीएसआर निधि के आवंटन का कोई प्रावधान नहीं है। जिसके चलते राज्य के सभी जिलों में आवश्यकता के अनुसार इस मद से विकास और जनहित के कार्य नही हो पा रहे हैं।

क्रिसमस तक और बढ़ेगी ठिठुरन

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2024 (ए)। सर्दियों ने पूरे देश में ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ समेत 12 राज्यों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश का पचमढ़ी 1.0 तापमान के साथ सबसे ठंडा स्थान रहा, जो मनाली, शिमला और देहरादून जैसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों से भी ज्यादा ठंडा है। दक्षिण भारत में अब भी बारिश का दौर जारी है, जिससे वहां भी ठंड का असर तेज हो गया है।देशभर में क्रिसमस के आसपास ठंड अपने चरम पर पहुंचने वाली है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, हवा में बढ़ती ठंडक के चलते जनवरी के अंत तक कड़ाके की ठंड बनी रहेगी। इस बार सर्दी का असर सामान्य से अधिक और लंबे समय तक रहने की संभावना है।

21 दिसंबर को होगी जीएसटी काउंसिल की 55 वीं बैठक

नई दिल्ली,16 दिसम्बर 2024 (ए)। जीएसटीकाउंसिल की 55वीं बैठक 21 दिसंबर 2024 को राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित होने जा रही है। जिसमें माल और सेवा कर की दरों में बदलाव पर विचार किया जाएगा। यह बैठक केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होगी और आगामी 1 फरवरी 2025 को पेश होने वाले केंद्रीय बजट के लिए महत्वपूर्ण दिशा तय करेगी।रिपोर्ट के मुताबिक, इस्तेमाल की गई इलेक्ट्रिक वाहनों और छोटी पेट्रोल व डीजल कारों पर जीएसटी दर बढ़ाने के प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी।

संपादकीय

बांग्लादेश से आ रही चुनौती बेहद गहरी

अब चूंकि बात मुस्लिम पहचान पर आ गई है,तो स्वाभाविक नतीजा है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के समान अधिकार की आकांक्षा पर चोट की जा रही है। इस रूप में पूरब की ओर भी फिर से पाकिस्तान की धारणा साकार हो रही है।बांग्लादेश के साथ भारत के बिगड़ते रिश्तों का दीर्घकालिक संदर्भ बनता दिख रहा है। बांग्लादेश में बड़ी संख्या में लोग अपने देश की पहचान 1971 के संदर्भ में देखने के बजाय 1947 के संदर्भ में देखने लगे हैं। और यह कोई छिपी बात नहीं है। देश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस इसे संयुक्त राष्ट्र के मंच पर कह चुके हैं। तब उन्होंने कहा थाः बांग्लादेश बना, क्योंकि लोगों का उदारवाद, बहुलवाद एवं धर्मनिरपेक्षता में गहरा यकीन था। दशकों बाद अब नई पीढ़ी उन उसूलों पर पुनर्विचार कर रही है, जैसाकि 1952 में हुआ था, जब हमारे देशवासियों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला की रक्षा का संकल्प लिया था।'यानी 1952 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लोगों ने मजहबी आधार पर बने राष्ट्र को नकार कर भाषा एवं संस्कृति पर आधारित बहु-धर्मीय राष्ट्र को स्वीकार किया था। जबकि अब लोग 1947 की तरफ लौट रहे हैं, जब भारत का मजहबी आधार पर विभाजन हुआ।अब चूंकि बात मुस्लिम पहचान पर आ गई है, तो स्वाभाविक नतीजा है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के समान अधिकार की आकांक्षा पर चोट की जा रही है। इस रूप में पूरब की ओर भी पाकिस्तान की धारणा साकार हो रही है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त पर उभर कर सामने आया है, जब भारत उसे वैचारिक चुनौती देने के लिए लिहाज से सबसे कमजोर स्थिति में है। चूंकि भारत में भी अब मुख्य विमर्श हिंदू-मुसलमान पर केंद्रित है, इसलिए बांग्लादेश में हमेशा से मौजूद रहे, लेकिन अब सिर उठा कर सामने आ चुके महजबी कट्टरपंथी ताकतों को भी तर्क मिल रहा है।

नरसी मेहता जयंती पर आज विशेष आलेख

वैष्णव जन तो तेने कहियेःनरसी भगत

हेमेन्द्र क्षीरसागर,
बालाघाट, मध्यप्रदेश

वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। पर दुख्खे उपकार करे तोये मन अभिमान ना आणे रे। नामक भजन जिसे विश्व और भारत के लाखों लोगों द्वारा गांधी जी के सबसे प्रिय भजन के रूप में साझा किया जाता है। भारत में जिसे एक अनधिकृत राष्ट्गान का स्थान और सम्मान प्राप्त है। उस भजन के रचयिता पन्द्रहवी सदी के अग्रणी संत और गुजराती भाषा के कवि नरसिंह मेहता थे, जिन्हे नरसी मेहता या नरसी भगत के नाम से भी जाना जाता है। वह वैष्णव हिंदू धार्मिक परंपरा के कवि थे। वह चार शताब्दियों से अधिक समय तक गुजरात के आदि कवि या अग्रणी कवि के रूप में एक पूजनीय व्यक्तित्व रहे ।

वैष्णव जन तो भक्त नरसी मेहता की रचना थी। यह साबरमती आश्रम में नियमित रूप से गाए जाने वाले भजनों में से एक था। गांधीजी ने उन्हे (अनुसूचित जाति /जनजाति) को 'हरिजन' नाम दिया जहां हरि का अर्थ है भगवान, जन का अर्थ है लोग और इस प्रकार हरिजन का अर्थ है भगवान के लोग। ऐसा लगता है कि गांधीजी ने इस शब्द को गुजरात के एक कवि नरसिंह मेहता से उधार लिया है, जिन्होंने अपने भक्ति गीतों में सबसे पहले हरिजन शब्द का इस्तेमाल किया था ।

गुजराती साहित्य के आदि कवि संत नरसी मेहता का जन्म 1414 ई. में जूनागढ़ (सौराष्ट्र) के निकट, तलाजा ग्राम में एक नागर ब्राह्मण परिवार में हुआ था। माता-पिता का बचपन में ही देहांत हो गया था। वह 8 साल की आयु तक बोल नहीं पाते थे। कहा जाता है कि एक वैष्णव संत के आशीर्वाद से उन्हें अपना वाणी वापस मिल गयी थी। उनका पालन पोषण उनकी दादी जयगौरी ने की। इसलिए अपने चचेरे भाई बंशीधर के साथ रहते थे। अधिकतर संतों की मंडलियों के साथ घूमा करते थे और 15-16 वर्ष की उम्र में उनका विवाह मानेकबाई से हो गया।

कोई काम न करने पर भाभी उन पर बहुत कटाक्ष करती थी। एक दिन उसकी फटकार से व्यथित नरसिंह गोपेश्वर के शिव मंदिर में जाकर तपस्या करने लगे। मान्यता है कि सात दिन के बाद उन्हें शिव के दर्शन हुए और उन्होंने कृष्ण भक्ति और कृष्ण दर्शनों का वरदान मांगा। इस पर द्वारका जाकर रासलीला के दर्शन हो गए। अब नरसिंह का जीवन पूरी तरह से बदल गया। प्रबुद्ध और परिवर्तित मेहता अपने गांव लौटे,अपनी भाभी के पैर छुए और उनका अपमान करने के लिए धन्यवाद दिया।

वे हर समय कृष्णभक्ति में तल्लीन रहते थे। उनके लिए सब बराबर थे। छुआ-छूत वे नहीं मानते थे और हरिजनों की बस्ती में जाकर उनके साथ भजन कीर्तन किया करते थे। इसके बिरादरी ने उनका बहिष्कार तक कर दिया,पर वे अपने विचार से नहीं डिगे नहीं। मेहता अपनी पत्नी और दो बच्चों, एक बेटे के साथ गरीबी में रहते थे, जिसका नाम शामलदास और एक बेटी कुंवरबाई था। हरिजनों के साथ उनके संपर्क की बात सुनकर जब जूनागढ़ के राजा ने उनकी परीक्षा लेनी चाही तो कीर्तन में लीन मेहता के गले में अंतरिक्ष से फूलों की माला पड़ गई थी। निर्धनता के अतिरिक्त उन्हें अपने जीवन में पत्नी और पुत्र की मृत्यु का वियोग भी झेलना पड़ा था। पर उन्होंने अपने योगक्षेम का पूरा भार अपने इष्ट श्रीकृष्ण पर डाल दिया था।

अपने जीवन के बाद के चरण में, वह मंगरोल चले गए, जहां, 79 की आयु में, उनकी मृत्यु हो गई । मंगरोल स्थित श्मशान को नरसिंह नूश्मशान कहा जाता है, जहां गुजरात के सबसे प्रसिद्ध बेटों में से एक का अंतिम संस्कार किया गया था। जिस नागर समाज ने उन्हें कभी बहिष्कृत किया था अंत में उसी ने उन्हें अपना रत्न माना और आज भी गुजरात सहित उन्हे पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किया जाता है। स्तुत्य, सच्चा वैष्णव वही है, जो दूसरों की पीड़ा को समझता हो। दूसरे के दुःख पर जब वह उपकार करे, तो अपने मन में कोई अभिमान ना आने दे। जो मानव जीवन का मूलमंत्र है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मौत के पहले आने वाले संकेत के मायने

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

हाल ही में ब्लैक एंड वाइट विश्लेषण में आजतक टीवी में मौत के संकेत पहले मिल जाते है दिखाया गया और उसमें अस्पताल में एक मैना का संवाद भी दिखाया कि हम भी आ रहें हैं जैसा की मालूम होगा बिहार की लोक गायिका शारदा सिन्हा जिंदगी और मौत से जूझते हुए अपने जीवन के अंतिम दिनों में जब अस्पताल में थी तो का मंगलवार रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें कैंसर था। गायिका मल्टीपल मायलोमा नामक रक्त कैंसर से जूझ रही थीं, जिसने 2018 से उनके स्वास्थ्य को काफी प्रभावित किया है। उन्होंने छठ पूजा के पहले दिन यानि 5नवंबर 24को अंतिम सांस ली, यह दिन उनके प्रशंसकों के लिए विशेष रूप से उनके प्रतिष्ठित छठ महापर्व गीतों के कारण महत्वपूर्ण है।जहाँ तक मौत को जानने का संदेश मिलने की बात है यह कहीं विज्ञान ने सिद्ध तो नहीं किया है लेकिन कभी कदाल दिव्य मनुष्य को हो जाता होगा लेकिन जीवन के अंतिम दिनों तक केवल जिसे फांसी पर चढ़ाई जाती है उसे ही मालूम होता होगा ईश्वर ने सभी को समय पर जन्म व मौत उनके कर्मों के आधार पर मिलता है आखिर दिन क्या अंतिम समय तक स्थूल शरीर में जीवन की आस में मनुष्य रहता है ईश्वर ने सबको एक ही समय दिया है लेकिन इंसान गलतियां कर बैठता है और अकाल मौत हो जाता है यानि मौत भी दो प्रकार से होती है एक अकाल मौत दूसरा समयानुसार मौत, मौत तो जीवन का सत्य है लेकिन लोग जानकर भी अनजान बन जाते हैं, मैं एक बार इसी तरह काल के चक्र में फंसकर 2002 में अस्पताल में प्रभु राम की कृपा से बाहर निकला हूँ मुझे फरवरी 2002 में पटना से मुंबई आने के क्रम में काल ने पकड़ लिया था मैं ईश्वर को ही अपना सबकुछ मानता हूं घर परिवार आपका कुछ भी अपना नहीं है जिसे आप अपना मानते हैं वहीं आपके मरने पर जला देते हैं रोते हैं चिल्लाते हैं और फिर कुछ दिनों बाद भूलकर फिर माया के दलदल में धंसते चले जाते हैं मेरी मौत तो बहुत ही पहले तय थी आप 2002 का अस्पताल में पड़ा मौत और जीवन की जंग से लड़ रहा था देखें जब मैं टाइफाइड में कभी 104-105 डिग्री स्न से निचे जा ही नहीं रहा था करीब 1महीने हो गए डॉ ने लगभग सभी दवाई चलाई लेकिन क़ोई सूट नहीं कर रहा था उस उस समय एक ही सहारा मेरे माता-पिता थे जो खारघर से आते जाते थे जब एक महीने से ऊपर हो गया और उस समय न कुछ खा पा रहा था सिर्फ पानी चढ़ रहा था कोई भी दवा शुट नहीं कर रहा था बर्फ की सिल्ली से कुछ

बाहर से बड़े बड़े डाक्टर को बुलाया गया अंत में जब डॉक्टर ने जबाव दे दिया डॉक्टर ने आठ मे हार मान ली क्योंकि उस समय जो वार्ड में शिफ्ट किया था वहां सब पटापट मर रहे थे सारे घर से आ गए थे डॉक्टर बोल दिया 2 दिन के अंदर आपका लड़का चला जाएगा मैं ,चल नहीं पा रहा था उस समय आपकी स्थिति बड़ी विचित्र रहती उस समय मेरी नई शादी हुई थी और मेरी एक बच्ची हुई थी मैं सबका रोते रोते बुरा हाल था मैं बेहोश की अवस्था में था एक ही जिच अपने अंदर ध्यान किया था वो थे गुरु गोबिंदसिंहजी का ध्यान अचानक पैर हाथ सुन हो गए और एक का काली सी परछाई दिखाई देती है और आंख बंद हो रहा था यानि यमराज मेरी प्राण लेने के लिए कमरे में आया तो जरूर था लेकिन गुरु गोबिंदसिंह जी महाराज घोड़े पर सवार होकर आए थे और यमराज को भगा दिया आप इसे कुछ भी माने मैं तो मानता हूं एक अद्भुत सा प्रकाश मेरे खड़े से टकराती है और कुछ समय बाद कुछ ताकत सा आ गया डाक्टर ने निर्णय लिया अतः में एक दवाई चलाकर देखता हूं जो हाई एंटीबायोटिक था मोनोसेफ इंजेक्शन नस में पानी चढ़ने का ट्युब लगा था और उसी से दिया गया और धिरे धिरे सब दवा सुट करने लगा ओर कुछ दिनों बाद ठीक हुआ सपने में गुरु गोबिंदसिंह जी महाराज ने कहा कि अगर तुम इस दुनिया से चला जाता तो तुम्हारे माता पिता का मेरे ऊपर से विश्वास उठ जाता ,मेरे टिचर डा शमशेर सिंह फिजिक्स पढ़ाते भक्त कुछ अच्छी बातें भी करते थे जैसे उन्होंने बताया कि एक राजा ने गुरु नानक देव को मारना चाहा पानी आग जब कुछ कर नहीं पाया तब पत्थर ही पत्थर उनके शरीर पर रख दिया और गुरु नानक देव जी पत्थर के ऊपर लेटे हुए थे और उसने क्षमा मांगी गुरु नानक देव जी ने उनसे कहा लंगर चला एक बार गुरु नानक देव जी मरे हुए हाथी को जिंदा कर देते हैं और फिर राजा के कहने पर उसे पुनः मौत दे देते हैं तभी राजा पुछता है अब आप इसे जिंदा क्यों नहीं कर रहे हैं गुरु जी कहते हैं यह प्रकृति का नियम है तो आया है वो जाएगा भी मैंने मालिक से फरियाद लगाई और जिंदा हो गया थो । अतः जो असमय मरते हैं उनकी आत्मा भटकती है जब तक जीवन का एक्सपायरी डेट ना पूर्ण हो जाए जब भी क़ोई दवाई बनाई जाती है तो बनाने का डेट तथा एक्सपायरी डेट भी लिखा होता है लेकिन कभी कभी बोतल हाथ से

समय से पहले ही टूट जाती है और फिर कहीं ना कहीं उसका अस्तित्व रहता है उसी तरह अकाल मौत भी हो सकता है जैसे किसी महामारी की चपेट में आना, दुर्घटना का शिकार होना,आत्महत्या के वजह से होता है जो प्रेतयोनी में भटकता है जब तक उसकी आयु पूर्ण नहीं हो जाता है जिसका जिक्र रामायण के रचना करनेवाले गोस्वामी तुलसीदास से भी मिलता है जब तुलसीदास सुबह स्नान के लिए एक पानी का घड़ा लेकर वाराणसी के बाहर जंगल में जाते थे। शहर लौटने पर, वह बचा हुआ पानी एक निश्चित पेड़ को अर्पित करते थे। इससे एक प्रेत (एक प्रकार का भूत जो पानी के लिए हमेशा प्यासा माना जाता है) की प्यास बुझ गई, जो तुलसीदास के पास प्रकट हुआ और उन्हें एक वरदान दिया ।तुलसीदास जी ने अपना घर छोड़ दिया और 14 वर्षों तक तीर्थ यात्रा की लेकिन तब भी उनको सत्य का ज्ञान नहीं हुआ और उन्होंने यात्राओं में इकट्ठा किए गए कमंडल में जल को सूखे पेड़ की जड़ों में फेंक दिया. उस पेड़ में एक आत्मा का वास था। वह तुलसीदास जी से प्रसन्न हुई और कुछ मांगने को कहा। जब तुलसीदास जी ने रामदर्शन करने की इच्छा जताई। इस पर आत्मा ने तुलसीदास जी को कहा कि तुम हनुमान मंदिर जाओ, वहां रामायण का पाठ होता है, जिसे सुनने स्वयं हनुमान जी कोढ़ी के वेश में आते हैं. तुम उनके पैरों में गिरकर मदद मांगना. वो तुम्हारी जरूर मदद करेंगे। तुलसीदास जी ने प्रेत के बताए अनुसार हनुमान मंदिर में पहुंचे और रामायण का पाठ सुनने लगे. उन्होंने देखा कि एक कोढ़ी रामायण कथा सुनने में मग्न है. तुलसीदास जी समझ गए और वह उनके पास पहुंच गए। तुलसीदास जी उनके पैरों में गिर गए और उनकी स्तुती करने लगे उन्हें भगवान राम चित्रकूट की घाट में मिले थे चित्रकूट के घाट पर,भई संतन की भीर, तुलसीदास चंदन घिसे, तिलक करे रघुवीर । कथा के दौरान हनुमान जी ने तुलसीदास को श्रीराम के दर्शन कराने हेतु नदी के तीर पर चंदन घिस कर रखने का सुझाव दिया। तुलसीदास हनुमान जी के कथनानुसार नदी के तीर पर बैठकर प्रभु की प्रतीक्षा करने लगे। भगवान श्री राम जी लक्ष्मण जी के साथ राजकुमार के वेश में वहां आते हैं और तुलसीदास से चंदन लगाने को कहते हैं। इसप्रकार तुलसीदास जी को भगवान राम के दर्शन होते हैं। अतः राम नाम सत्य हैं और नाम ही जीवन और मौत से परे होता है.मौत के संदेश में क्या सच है ऐ भगवान श्री राम ही जाने लेकिन इतना तो सत्य है कि जीवन में जिंदगी है तो मौत भी होना तय है लेकिन उससे पहले संदेश मिलता है ऐ सही है या गलत ऐ कहना मुश्किल है.एक बार मैंने एक लड़के को सड़क पर ट्रक से दुर्घटना होते देखा और ठीक मौत से पहले उसके शरीर से जैसे लगा हवा में कुछ छाया जैसी चीज एकाएक बहुत तेजी से निकला और वह वहीँ पर मर गया बॉडी को उठाने से पहले ही माथे पर गंभीर चोट के कारण मौत हो गई लेकिन शरीर से हवा में क्या धुआँ जैसी चीज निकल कर बाहर गई यह साबित करता है कि आत्मा होती है जो स्थूल शरीर को चलाने का काम करती है मौत से पहले जो कष्ट होता है वो शरीर को बाद में गहरी नींद में सो जाता है एक बार शरीर से आत्मा निकल गई तो कभी वापस नहीं आता है लेकिन मौत के तुरंत बाद अंग दूसरे के शरीर में फिट हो जाता है अंग दानकर्ता मृत होते हैं, लेकिन जीवित लोग किडनी, अपने लीवर का हिस्सा या हड्डी के ऊतक दान कर सकते हैं।अतः ऐ भी एक पहेली है मौत के बाद जीवन होने की क़ोई भी सम्भावना नहीं है

लेकिन कुछ वैज्ञानिक को लगता है कानूनी तौर पर भले ही ये लोग मर चुके हैं, लेकिन क्रायोनिक्स तकनीक में भरोसा रखने वाले वैज्ञानिकों का मानना है कि वो अभी सिर्फ बेहोश हुए हैं। इस तकनीक के जरिये उन्हें फिर से जिंदा किया जा सकता है। यही वजह है कि दुनिया में कई सारे लोग मरने से पहले अपने परिवार के सामने ये इच्छा जाहिर कर रहे हैं कि उनके शरीर को हमेशा के लिए खत्म करने की बजाय इस तकनीक के जरिये सुरक्षित रखा जाए। दुनिया भर में दोबारा जिंदा होने के लिए शरीर फ्रीज करवाने का चलन बढ़ रहा है। इस समय विश्वभर में करीब 600 लोगों के मरे हुए शरीरों को फ्रीज करके रखा गया है। इनमें से 300 से ज्यादा शव सिर्फ अमेरिका और रूस में हैं।अतः विज्ञान किसी ना किसी आधार पर ऐ मान रहा है मरने के बाद भी लोग कभी भी जिन्दा हो सकते हैं लेकिन ऐसा हुआ तो क़ोई मरेगा ही नहीं और संसार को बनाने वाले ईश्वर जनसंख्या को कैसे नियंत्रित करेंगे ऐ भी एक प्रश्नचिन्ह है मेरे अनुसार आदमी के मरने के बाद कभी भी जिन्दा नहीं हो सकता है और जहाँ तक मरने से पहले संकेत मिलने का सबाल है ऐ गलत है क्योंकि शरीर मौत से पहले तक अपनी इम्युनिटी के कारण खुब लड़ता है और अंत अंत तक उसे लगता है कि जिंदगी जी लूंगा कुछ वर्ष पूर्व मैंने कोविड में ऑक्सीजन की कमी के कारण मौत और जिंदगी से लड़ते देखा है बहुत ही दर्दनाक था कभी भी जब लोग मरने से पहले वेंटीलेटर पर दम तोड़ते वक्त हाथ पैर में जले हुए फोले फफोले यह दिखाता है कि अंत अंत तक मरीज मौत को मात देने की भरपूर कोशिश की है मैंने कभी प्रेत आत्मा को नहीं देखा गाँव में लोग कहते थे यहाँ भूत रहता है यहाँ से मत आना लेकिन 2 बजे रात को वहीँ से गुजरा आवाज़ के अलावा कुछ सुनाई नहीं दि जब जाकर देखा तो वहाँ चूहे या कोई पशु था लेकिन मेरे पिताजी ने गाँव में जब रात में पेशाब करने निकलें तो उनके अनुसार रात में उल्टा पैर और टांग किए हुए किसी औरत को देखा था पहले लगा सच में क़ोई जिन्दा औरत है लेकिन जब उल्टा टांग और पैर देखा और सफेद रंग में देखा तो उन्हें समझ आ गया क़ोई प्रेतआत्मा है और जब हनुमान चालीसा मन में पढ़ा तो उलटे रास्ते टेढ़े मेढ़े चाल से चला गया जो कभी भी भूत प्रेत को नहीं मानते थे लेकिन उन्हें जब दिखा तो सुबह यह खबर सबको बताई तो मालूम हुआ वहाँ चुड़ैल रहती है जब वहाँ किसी जवान औरत ने आग से जल कर मर गई थी अतः इसे भी नकारा नहीं जा सकता है कि असमय मौत के बाद उसकी आत्मा भटकती है अतः जब गीता में भगवान श्री कृष्ण ने शरीर और आत्मा के रहस्य को बताया है तो आत्मा होती है जो कभी मरती नहीं है और उसपर हवा पानी और किसी चीज का असर नहीं होता है सिर्फ यह एक से दूसरे शरीर में अपना वस्त्र बदलने का काम करती है।

अडानी मुद्दे पर कुछ दिखावे के लिए राहुल व कांग्रेस के साथ जुड़े

यह संयोग है या प्रयोग कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी ने संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस के कन्नी काटी और अडानी मुद्दे पर संसद ठप्प करने में शामिल होने से इनकार किया। उसके बाद ममता बनर्जी के विपक्षी गठबंधन का नेता बनने की चर्चा शुरू हो गई? यह सही है कि ममता बनर्जी ने खुद ही चर्चा शुरू कराई। उन्होंने कहा कि, इंडिया' ब्लॉक का गठन उन्होंने किया है और इसलिए मौका मिले तो उसका नेतृत्व करना चाहेंगी। हालांकि हकीकत यह है कि विपक्ष का गठबंधन बनाने का ममता का, के चंद्रशेखर राव का और अरविंद केजरीवाल का प्रयास विफल था। अभी जो विपक्षी गठबंधन है वह नीतीश कुमार का बनाया है, जिसमें ममता बनर्जी भी थीं और बाद में नीतीश व ममता दोनों बाहर हो गए। परंतु पहले ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि वह अडानी के मसले पर संसद ठप्प करने के पक्ष में नहीं है और उसके सांसदों ने कांग्रेस व दूसरी विपक्षी पार्टियों के प्रदर्शन में शामिल होना बंद किया। उसके बाद ममता ने इंडिया' ब्लॉक का नेता बनने की इच्छा जाहिर की और फिर एक एक करके तमाम विपक्षी पार्टियां उनका समर्थन करने लगीं। उद्धव ठाकरे की शिव सेना के नेता संजय राउत ने भी उनका समर्थन किया तो शरद पवार ने भी उनका साथ दिया। कांग्रेस के ऑल वेदर फ्रेंड माने जाने वाले लालू यादव ने तो यहां तक कहा कि ममता बनर्जी को नेता बना देना चाहिए और कांग्रेस अगर विरोध करती है तो उस पर ध्यान देने की

जरुरत नहीं है। इनमें से उद्धव ठाकरे एकमात्र नेता हैं, जिन्होंने खुल कर अडानी का विरोध किया था लेकिन ऐसा लग रहा है कि उनका विरोध महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव तक सीमित था और वह भी अडानी के एक धारावी प्रोजेक्ट को लेकर था। सिद्धांत रूप से वे अडानी, अंबानी विरोधी नहीं माने जाते हैं। आखिर अंबानी के यहां शादी में बाराती बन कर जितने नेता शामिल हुए थे उनमें राहुल या नेहरू गांधी परिवार के अलावा बाकी सारे विपक्षी नेता शामिल ही थे। ममता भी थीं और लालू प्रसाद का पूरा परिवार भी था और अखिलेश यादव भी सपरिवार पहुंचे थे। लेफ्ट के नेता जरूर नहीं गए थे लेकिन संभवतः उनको बुलाया भी नहीं गया हो। लेकिन सोनिया गांधी के परिवार को न्योता देने तो मुकेश अंबानी खुद पहुंचे थे।सो, पहले ममता बनर्जी की पार्टी ने अडानी के नाम पर संसद ठप्प करने इनकार किया और उसके बाद अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने भी यही लाइन पकड़ी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सांसद पत्नी डिंपल यादव ने कहा कि अडानी मामले से सपा का कोई लेना देना नहीं है। सवाल है कि कांग्रेस का भी क्या लेना देना है? फिर भी कांग्रेस ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया है क्योंकि एक के बाद एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूह, पत्रकारों का संगठन और विदेशी सरकारें या उनकी एजेंसियां अडानी समूह को कठघरे में खड़ा कर रही हैं। अडानी दुनिया में क्रोनी कैपिटलिज्म के प्रतीक बने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके संबंधों को उछालने से बड़ा राजनीतिक नैरेटिव बनता है। इसलिए कांग्रेस और राहुल गांधी यह मुद्दा उठा रहे हैं। लेकिन बाकी विपक्षी पार्टियां या तो इससे अलग हो रही हैं या दिखावे के लिए कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रही हैं।ममता बनर्जी और अखिलेश यादव की पार्टी विपक्ष के विरोध प्रदर्शन से अलग हो गई लेकिन लालू प्रसाद और शरद पवार की पार्टी विरोध प्रदर्शन में शामिल है। एक और सत्य कि शरद पवार का तो अडानी विरोध कभी रहा ही नहीं है। फिर उनकी पार्टी के अडानी के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि वह सिर्फ दिखावा है। आखिर चाचा भतीजे यानी शरद पवार और अजित पवार ने स्वीकार किया है कि 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद सरकार गठन में गतिरोध पैदा हुआ था तो ये सभी लोग अडानी के साथ बैठे थे सरकार बनाने के लिए। अजित पवार ने कहा था कि अडानी के घर पर गौतम अडानी की मौजूदगी में भाजपा और एनसीपी के नेताओं की बैठक हुई थी। खबर थी कि बैठक में अमित शाह भी थे और शरद पवार भी थे। बाद में शरद पवार ने सफाई दी तो इतना कहा कि बैठक गौतम अडानी की पहल पर हुई थी और दिल्ली में उनके घर पर हुई थी लेकिन उसमें अडानी खुद मौजूद नहीं थे।

-हरिशंकर व्यास-

राहुल को मंझली कतार के संगतिया चाहिए

जैसे कि आप जानते हैं, वैसे ही मैं भी जानता हूं कि राहुल एकला चलो' के शीरे की कड़ाही से जन्मे हैं और कोई साथ आए-न-आए, अपने गंतव्य तक अनवरत अकेले चलते रहने का माद्दा रखते हैं। इस कर्म-भाव की झौंक में यह परवाह भी वे शायद ही करते हैं कि मंज़िल तक पहुंचेंगे या नहीं? उन्हें तो बस चलते रहना है। सो, वे तो चलते रहेंगे। पर राहुल को मंझली कतार के सगतिया चाहिएं। इसलिए उन्हे अपने लिए एक कारगर मध्यम-पंक्ति की संरचना करनी है। लोकसभा में प्रियंका गांधी के भाषण को भले ही आप अद्भुत और ऐतिहासिक की श्रेणी में न रखें,मगर इतना तो आप भी मानेंगे कि उन की संप्रेषण कुशलता ने कांग्रेसजन में एक नया उछाह पैदा किया है। उन की स्त्रियोचित सौम्य-आक्रामकता ने सदन में बैठे अमित भाई शाह और राजनाथ सिंह समेत समूचे सत्तापक्ष की शिराओं में थोड़ी कंपकंपी पैदा की है और देश को प्रतिपक्ष, और ख़ासकर कांग्रेस, की प्रभावी भूमिका के लिए आश्वस्त किया है। जब प्रियंका बोल रही थीं, तब राहुल गांधी भी सदन में मौजूद थे,संजीदगी से उन की कही बातें सुन रहे थे, गंभीरता से उन के कहे को गुन रहे थे और लगता था कि मन-ही-मन कांग्रेस की आगामी प्रस्तावना के धागे बुन रहे थे।ये धागे फ़िलवक़्त साढ़े चार बरस लंबे तो फैले हुए हैं ही। केंद्र

की सत्ता के लिए राहुल-प्रियंका को अभी न्यूनतम साढ़े चार बरस तो राजनीतिक संघर्ष करना ही होगा।कोई बड़ी बात नहीं कि उन का यह रास्ता साढ़े नौ साल लंबा खिंच जाए। सो, सवाल यह है कि क्या राहुल-प्रियंका तो जूझ लेंगे, मगर क्या उन के पास साढ़े चार या साढ़े नौ बरस तक युद्धरत रह सकने वाली मध्यम-पंक्ति है? क्या ऐसे जुझारू,अविचल और प्रतिबद्ध हमजोली हर राज्य में उन की बगल में खड़े दिखाई दे रहे हैं, जो सियासत के लगातार पथरीले होते जाने वाले भावी मैदान में 54 या 114 महीने उन के साथ खड़े रहें ? और, जब मैं यह सवाल उठा रहा हूं तो मेरा सवाल इंडिया-समूह के कथित साथियों के बारे में नहीं है। इंडिया-समूह तो समझ लीजिए कि तिरोहित हो चुका है। उस की आस लगाए बैठना अब राहुल की भूल होगी।मैं तो यह पूछ रहा हूं कि कांग्रेस के भीतर भी ऐसे लोग अब कितने रह गए हैं, जिन के भरोसे राहुल आगे की दुर्जेय राह पर चलते चले जाएंगे? जैसे कि आप जानते हैं, वैसे ही मैं भी जानता हूं कि राहुल एकला चलो' के शीरे की कड़ाही से जन्मे हैं और कोई साथ आए-न-आए, अपने गंतव्य तक अनवरत अकेले चलते रहने का माद्दा रखते हैं। इस कर्म-भाव की झौंक में यह परवाह भी वे शायद ही करते हैं कि मंज़िल तक पहुंचेंगे या नहीं? उन्हें तो बस चलते रहना है। सो,वे तो चलते रहेंगे। प्रियंका भी अब इस यात्रा में उन की अटल परछाईं होंगी। लेकिन आखिऱ एक राजनीतिक यात्रा इस तरह अकेले तो पूरी होती नहीं। राजनीतिक ही क्यों,कोई भी यात्रा कब किस की अकेले पूरी हुई है? प्रभु राम की यात्रा क्या अकेले संपन्न हो पाई ? श्रीकृष्ण का सफ़र क्या एकाकी था ? लक्ष्य तन्हा हासिल नहीं होते।वे तब प्रस्थापित होते हैं, जब हर स्तर पर सेनानियों की टोलियां संग-संग चलती हैं। इसलिए मुझे लगता है कि राहुल भले ही एकल-तपस्या के महारथी हों और अब प्रियंका के संसद में औपचारिक प्रवेश से उन की ताक़त चौगुनी हो गई हो,मगर साढ़े चार साल बाद की रणभेरी के लिए इतना ही काफी नहीं है। राहुल को मंझली कतार के सगतिया चाहिएं और ईमानदारी की बात यह है कि कांग्रेस में न तो अभी वे दूर-दूर तक कहीं दिखाई दे रहे हैं और न उन्हें खोजने-बीनने का कोई उपक्रम कहीं नज़र आ रहा है।एक छोटा-सा अर्थवान समूह भी इस वक़्त राहुल के आसपास मौजूद है और एक विशाल मतलबपरस्त टोली भी उन से चिपटी हुई है।

-पंकज शर्मा-

कविता
सत् चित् आनंद

घटती-घटना
मोनिका डागा
चेन्नई तमिलनाडु

अज्ञानता,अहंकार का पर्दा हटा लो,
गुरु से जीवन का मार्गदर्शन पा लो,
ज्ञान का अलौकिक शक्ति पुंज जगा,
अपने सपनों को यूं सजीव बना लो ।
नफरतों की कालिमा को मिटा लो,
मन को एकबार देवालय बना लो,
नित्य साधना से दिव्यता को जगा,
सुख,समृद्धि,और शांति पा लो ।
सभी अवगुणों को पूर्णतः त्याग दो,
सदाचार, धर्म व प्रेम को अपना लो,
भीतर मानवता का अद्भुत भाव जगा,
अनंत ईश्वर कृपा अमृत को पा लो ।
अपनी कलुषता को पूरा मिटा लो,
पवित्रता से दिल को मंदिर बना लो,
जीवन में प्रेममय मधुर संगीत जगा,
अथाह खुशियों का खजाना पा लो ।
परोपकार, उदारता को अपना लो,
वाणी को मीठी और सरस बना लो,
क्षमा दान का उच्चतम सुख जगा,
सत् चित् आनंद निधि को पा लो ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

अंधविश्वास में पडक़र युवक ने निगला जिन्दा चूजा,मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

तांत्रिक के कहने पर एक युवक ने जिन्दा चूजा निगल लिया था। चूजा उसके गले व श्वांस नली में जाकर फंस गया। बेहोशी के हालत में युवक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन ने पुलिस को युवक की मौत होने की जानकारी गिरने से दी थी। फिर पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए युवक के शव का पीएम कराया। इस दौरान श्वांस नली में काले रंग का चूजा फंसा मिला तो यह देख पीएम कर रहे चिकित्सक भी हैरान रह गए।

जानकारी के अनुसार आनंद यादव पिता मुन्ना लाल यादव (35) दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम छिंदकालो का रहने वाला था। 14 दिसंबर की दोपहर उसे बेहोशी की हालत में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए थे। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। चिकित्सक द्वारा पूछे जाने पर परिजन ने उसे आंगन में गिरने से बेहोश होने की जानकारी दी। युवक की मौत संदिग्ध लगने पर डॉक्टर ने शव का पीएम कराने के लिए पुलिस को सौंप दिया। पुलिस द्वारा लिए गए बयान में परिजन ने गिरने से ही मौत का कारण बताया था। रविवार को फॉरेंसिक विभाग के डॉक्टर संतू बाग ने हार्ट अटैक का संभावना मानते हुए शव का पीएम किया तो हार्ट में कुछ नहीं पाया गया। इसके बाद श्वांस नली को खोला

गया तो गले व श्वांस नली में लगभग 300 ग्राम का खड़ा चूजा फंसा पाया गया। यह देख डॉक्टर भी हैरान रह गए। पीएम कर रहे चिकित्सक ने इसकी जानकारी परिजन को दी तो परिजन मामले को छुपाते दिखे। उन्होंने गिरने से ही मौत होने का जिक्र करते रहे। वहीं परिजन के साथ आए ग्रामीणों ने बताया कि आनंद के शादी के 15 साल बाद 6 माह पूर्व बच्चा जन्म लिया था। वह पिछ्ले एक साल से गांव के ही एक तांत्रिक के संपर्क में था। वहीं आनंद के भतीजा ने बताया कि चाचा 200 में दूसरे गांव से काले रंग का चूजा खरीदकर लाया था। पूछने पर बताया था कि काम है। पीएम कर रहे चिकित्सक फॉरेंसिक एक्सपर्ट डॉ. संतू बाग ने बताया कि मैं अब तक 15 हजार से ज्यादा शव का पीएम कर चुके हैं। कई संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं। पर गले में 300 ग्राम का चूजा फंसने से मौत पहली बार मेरे सामने आया है। मैं भी इस दृश्य को देखकर दंग हूं। उन्होंने बताया कि परिजन के बताए अनुसार गिरने की मौत की घटना में हार्ट अटैक या ब्रेन हैमरेज की आशांका हो सकती है। इन दोनों वस्तुस्थिति को जानने के लिए युवक के शव के सीने में चीरा लगाया, लेकिन सब कुछ नॉर्मल मिला। ब्रेन हैमरेज की आशंका से सिर का हिस्सा खोला गया, लेकिन सिर में भी कुछ असामान्य नहीं मिला। डॉक्टर ने बताया कि इसके बाद गले में चीरा लगाया तो युवक के गले में चूजा मिला। युवक के श्वांस नली और खाने की नली के बीच में फंसा हुआ था।

शीतलहर की चपेट में सरगुजा संभाग,ठंड से राहत नहीं

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शीतलहर जैसी स्थिति होने से लोग दिन में भी कांप रहे हैं। अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 4-3 डिग्री के बीच बना हुआ है। वहीं मैनपाट व सामरी पाट का तापमान 2 डिग्री से भी नीचे पहुंच चुका है।

दिसंबर की ठंड ने सरगुजा वासियों को कंपकपा दिया है। मौसम विभाग का कहना है कि दिसंबर माह में इससे पहले वर्ष 2011 में करीब इतनी ही ठंड पड़ी थी। 13 वर्ष बाद अंबिकापुर में दिसंबर के पूर्वार्द्ध में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री के नीचे पहुंचा है। प्रदेश में सबसे अधिक ठंड बलरामपुर में पड़ रही है। शनिवार को यहां का तापमान गिरकर 2.4 डिग्री पहुंच गया था। वहीं अंकिापुर का तापमान 3.7 डिग्री पहुंच गया था। वहीं रविवार की बात करें तो इन दोनों जगहों पर तापमान में मामूली वृद्धि हुई है। इससे ठंड में कोई विशेष फर्क नहीं पड़ा है। रविवार की रात का अंबिकापुर का तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया है। सरगुजा जिले के मैनपाट व बलरामपुर के सामरीपाट, सीतारामपुर पाट, लहसूनपाट व पवई पाट इलाके का पारा 2 डिग्री से नीचे चला गया है। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग घरों में ही दुबके रह रहे हैं। अत्यधिक ठंड की वजह से वहां का पारा जमाव बिंदू तक पहुंच गया है। इन इलाकों में पाला भी पड़ रहा है। यही वजह है कि सुबह-सुबह पुआल पर पाला जम रहा है। वहीं पेड़-पौधों की पत्तियों पर ओस की बूंदें भी जमने लगी हैं।

बड़े पिता ने चार साल के मासूम बच्ची से किया बलात्कार,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मानवता व रिश्ते को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। 40 वर्ष के बड़े पिता ने 4 साल के मासूम बच्ची

के साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित बच्ची के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति दो दिन पूर्व काम करने कहीं दूसरे जगह गया था। इस स्थिति में अपनी 4 साल की मासूम बेटी को रिश्ते के चचेरे बड़े भाई के घर छोड़ दिया था। दो दिन बाद काम कर वापस लौटा तो मासूम बेटी ने पिता को बताया कि बड़े पिता ने मेरे साथ गंदा काम किया है। पीड़ित बच्ची के पिता ने मामले की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

14 लीटर शराब के साथ महिला गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

संभागीय आबकारी उडऩदस्ता टीम ने 14 लीटर शराब के साथ महिला को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार संभागीय आबकारी उडऩदस्ता टीम को सोमवार को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि गांधीनगर थाना क्षेत्र के गंगापुर निवासी ननकी बाई अपने घर से शराब की अवैध करोबार कर रही है। टीम ने महिला के घर से एक लीटर महुआ शराब खरीदी करने के पश्चात उसके घर की तलाशी के दौरान 13 लीटर महुआ शराब और बरामद किया है। आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क)(ख) 34 (2) एवं 59(क) के तहत गिरफ्तार महिला को जेल दाखिल कर दिया है। उक्त कार्रवाई मे सहायक जिला आबकारी अधिकार्र रंजीत गुप्ता, आबकारी उप निरीक्षक टीआर केहरी एवं मुख्य आरक्षक रमेश दुबे, अशोक सोनी नगर सैनिक गणेश पांडे, रणविजय सिंह एवं महिला सैनिक राजकुमारी व संगीता उपस्थित रहे।।

मितानिनों की अनिश्चितकालीन काम बंद-कलम बंद हड़ताल शुरू

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अपनी मांगों को लेकर मितानिनों ने सोमवार से अनिश्चितकाल के लिए हड़ताल पर चले गए हैं। इससे मैदानी और स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावित होने की संभावना बढ़ गई है। सोमवार को मितानिनों ने सीएमएचओ को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया और शासन के शीर्ष तक इसे पहुंचाने का आग्रह किया।

मितानिनों ने बताया कि मोदी की गारंटी छत्तीसगढ़ 2023 में केन्द्र सरकार से मितानिन, आशा कर्मचारियों को एनएचएम के अंतर्गत स्थाई रूप से लिए जाने का आग्रह करने की बात कही गई थी, सरकार के सुशासन का एक वर्ष पूरा हो गया लेकिन स्थाई करना तो दूर उन्हें तीन माह से मानदेय की राशि भी नहीं दी गई है। इसके अलावा प्रोत्साहन राशि से भी वे वंचित हैं। उनके द्वारा एनजीओ स्टार्ट हेल्थ रिसोर्स सेंटर के कर्मचारियों द्वारा किए गए मानसिक एवं आर्थिक शोषण से त्रस्त होकर 20 वर्षों के अनुभव के आधार पर एनएचएम में संविलियन किए जाने की मांग सरकार से की गई थी, लेकिन उनकी अहम मांग को गंभीरता से नहीं लिया गया। ऐसे में सरगुजा जिले की शहरी और ग्रामीण अंचलों में सेवा देने वाली 3000 मितानिनें 16 दिसम्बर से अनिश्चितकाल के लिए काम बंद एवं कलम बंद हड़ताल में चले गई हैं।

मितानिनों की मांग

इनकी मांगों में सभी मितानिनों, मितानिन प्रशिक्षकों, ब्लॉक समन्वयक, स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक, एरिया कोऑर्डिनेटर, मितानिन हेल्प डेस्क फैसिलिटेटर को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संविलियन करना है। इसके अलावा इनके द्वारा किसी भी एनजीओ के साथ काम नहीं करने की बातों पर बल दिया है।

सरगुजा संभाग का पर्यटन दिलाता है अनूठा पहचान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पूरे देश के अनेक राज्यों से 42 लोगों का एक दल सरगुजा भ्रमण पर है। कारवां दोस्ती का.. बैनर के साथ पंजाब, हरियाणा, कानपुर, लखनऊ, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश, बड़ोदरा गुजरात, झारखंड, जयपुर राजस्थान सहित छत्तीसगढ़ के पर्यटन प्रेमी, पर्वतारोही, ब्लॉगर, पत्रकार, सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी, बिजनेसमैन, टीवी कलाकार, लेखकों का यह जत्था सरगुजा संभाग के सभी जिलों के साथ मैनपाट, नेतरहाट, डीपाडीह, सावंत सरना, बेल्सर रामगढ़, महेशपुर, अंबिकापुर मां महामाया मंदिर, अमरकंटक अमृतधारा, कैलाश गुफा रजपुरी फाल, बगीचा के साथ सरगुजा अंचल के लोक संस्कृति और जनजीवन को पास से देखने का प्रयास करेगी।

सोमवार को अंबिकापुर में एक होटल में स्थानीय मेजबानों ने उनका स्वागत किया। इस यात्रा में नगर के पर्यटन प्रेमी संदीप गुप्ता उनके साथ रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र तिवारी ने किया। आयोजन समिति से संदीप गुप्ता, इति चतुर्वेदी ने अतिथियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए आयोजन समिति के अधिवक्ता जयेश वर्मा ने कहा कि सरगुजा अंचल की समृद्ध संस्कृति, पुरातत्व, विरासत को पर्यटन के माध्यम से विश्व पटल पर स्थापित करने के उद्देश्य से हमारा यह स्वैछिक प्रयास है। हम सरगुजा में पर्यटन के विकास हेतु योगदान देते रहेंगे।

लेखन, कला संस्कृति से जुड़े सुरेंद्र तिवारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के उत्तरी छोर पर बसे सरगुजा संभाग के 6 जिले की अपनी एक विशिष्ट पहचान है। यहां का लोक जीवन, समृद्ध आदिवासी संस्कृति, पर्यटन स्थल और नैसर्गिक परिवेश, इसे छत्तीसगढ़ में अनूठा स्थान दिलाते हैं। सरगुजा अंचल में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इन्होंने कहा कि हमारी टीम अपने काम से समय निकालकर, सरगुजा अंचल के प्रति अपने दायित्व निभाते हुए सरगुजा आने वाले पर्यटकों को मार्गदर्शन एवं आवश्यक सुविधाएं दिलाने के साथ पूरे देश में फैले अलग-अलग क्षेत्र के लोगों को सरगुजा के विविधता से, इतिहास संस्कृति, यहां के सुरम्य प्राकृतिक परिवेश से परिचित कराने के लिए अपना निशुल्क योगदान देते हैं. इस दौरान अतिथियों ने कहा कि सरगुजा आकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है और यहां के यहां के शांत वातावरण अच्छे लोगों से मिलकर दिल खुश हो गया।

'और सुविधाएं विस्तार की जरूरत'

पूरे देश में भ्रमण कर वे कारवां दोस्ती का...थीम के साथ सरगुजा भ्रमण पर हैं। यहां मां महामाया के दर्शन करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ और इस अंचल के विविधताओं को पास से जानने समझने का अवसर मिला। इस यात्रा की जानकारी मीडिया द्वारा पूरे देश में फैले अपने साथियों तक वे पहुंचाएंगे। सैलानियों ने कहा कि सरगुजा अंचल में पर्यटन की और सुविधाएं विस्तार किए जाने की जरूरत है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शिक्षण सत्र 2025-26 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा अब होगी 16 फरवरी 2025 को

अंबिकापुर,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली अंतर्गत गठित राष्टीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रवर्तित एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शिक्षण सत्र 2025-26 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन व े ब स ा इ ि ट www.eklavya.cg.nic.in पर 11 नवम्बर 2024 से पंजीयन प्रारंभ कर 19 जनवरी 2025 को प्राक्कयन परीक्षा का आयोजन किया जाना था। उपरोक्त परीक्षा अब 16 फरवरी 2025 को आयोजित किया जाना है।

प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2024 तक, त्रुटि में सुधार 01 से 08 जनवरी 2025 तक एवं प्रवेश परीक्षा की तिथि 16 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में परीक्षा हेतु नियमावली प्रवेश नीति एवं प्रवेश परीक्षा से संबंधित समस्त विस्तृत शर्तों का अवलोकन विभागीय वेबसाईट www.eklavya.cg.nic.in किया जा सकता है।

सीतापुर के बाद लखनपुर में नकाब पोश बदमाशों ने लूटी बाइक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सीतापुर के बाद लखनपुर में बाइक लूटने की घटना सामने आया है। लखनपुर थाना क्षेत्र की है रविवार की देर रात नकाब पोश बदमाश ने युवक को मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया और उसे पैरावट में फेंककर उसकी बाइक लूटकर फरार हो गया। पीड़ित युवक को इलाजा के लिए लखनपुर अस्पतल में भर्ती कराया गया है। पुलिस दोनों मामले की जांच कर रही है। रविवार को दिन दहाड़े कट्टे की नोक पर एक बदमाश ने युवक की बाइक लूटकर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार सिमरत राम पिता मुन्नू राम उरांव उम्र 35 वर्ष ग्राम कोशंगा बगदेवा थाना लखनपुर का रहने वाला है। वह रविवार की रात लगभग 8.30 बजे अपने रिश्तेदार के घर लखनपुर के झीनपुरी पारा गया था। यहां से वह वापस अपने घर जा रहा था। पुराना नगर पंचायत कार्यालय के समीप 4 से 5 नकाब पोश बदमाशों ने रास्ता रोका और युवक के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी

कर दिया। इस दौरान बदमाशों ने युवक को गंभीर स्थित में पैरावट में फेंक कर उसकी बाइक लूटकर वहां से फरार हो गए। घायल युवक किसी तरह चलते हुए थोड़ा दूर आगे बढ़ा रात करीब 3 बजे स्थानीय लोगों की मामले की जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने उसकी मदद की और उसे घर तक छोड़ा। उसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए लखनपुर अस्पताल में भर्ती कराया है। युवक के चेहरे और हाथ पैर में चोटे के निशान हैं। सूचना पर लखनपुर पुलिस मामले की जांच की और आरोपियों की तलाश में जुट ग[ई] है। ग्राम मंगारी निवासी सहाब[...] रविवार को बाइक से सीतापुर से मंगारी जा रहा था। इसी बीच रास्ते में एक युवक लिफ्ट मांगा और बाइक में बैठ गया। कुछ दूर आगे जाने के बाद बमलाया के पास पीछे बैठे युवक ने ग्रामीण के सिर पर कट्टा सटाकर उसे रूकवाया फिर धमकाते हुए बाइक को लूट लिया। इस दौरान उसने ग्रामीण का मोबाइल भी लूटने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सका। इसके बाद बाइक लेकर फरार हो गया।

C M Y K

जनादेश परबःमितानिनों को उनके अथक परिश्रम और काम के समर्पण के लिए किया गया सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित जनादेश परब के तहत गोधनपुर में मितानिन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देश व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन पर आयोजित उक्त मितानिन सम्मेलन में शहरी क्षेत्र नगर निगम

अम्बिकापुर से 05 मितानिनों को प्रशस्ति पत्र एवं सभी मितानिन प्रशिक्षकों को श्रीफल एवं शाल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि श्री आलोक दुबे ने मितानिन दीदीओं की सेवाभावना व बच्चे, महिलाओं, बुजुर्गो के स्वास्थ्य के प्रति समर्पण तथा समय-समय पर देखभाल की प्रशंसा की। इसी तरह कार्यक्रम में शामिल गणमान्य नागरिक श्री करताराम गुप्ता ने भी मितानिनों के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में श्री जफर खान भी उपस्थित थे। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सीमा तिग्गा, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी नावापारा डॉ. शीला नेताम, गोधनपुर संस्था प्रभारी डॉ. प्रतिभा मिश्रा, श्री धनेश प्रताप सिंह एवं श्री अनिल पाण्डेय शहरी सुपरवाईजर, स्वास्थ्य संस्था गोधनपुर के समस्त कर्मचारी, मितानिन एवं अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

कड़ाके की सर्दियों में विधायक राजेश अग्रवाल के द्वारा फूलचूहि और मुड़गांव में 300 जरूरतमंदों को किया गया कम्बल वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में पढ़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल द्वारा और हमेशा ही गरीबों के जरूरत के हिसाब से विगत 20 वर्षों से लखनपुर उदयपुर सहित आसपास के जरूरतमंद लोगों को कड़ाके की ठंड के से बचाव के लिए घर पहुंच कर स्वेटर साल कंबल सहित अन्य गर्म कपड़े का वितरण किया जाता रहा है। इस तारतम में इस वर्ष भी दिन सोमवार को अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र के उदयपुर विकास खंड के ग्राम मुड़गांव पंडोपारा फुलचुही पण्डोपारा में विशेष आरक्षित जनजाति के 300 जरूरतमंदों को गर्म कपड़े कम्बल का वितरण किया गया।

गर्म कपड़े वितरण करते समय ग्राम वासियों के द्वारा अपनी क्षेत्र के बारे में विभिन्न समस्याओं से अवगत कराएगा तथा कुछ मुद्दों पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया जिसे विधायक प्रतिनिधि रवि अग्रवाल द्वारा प्राथमिकता देते हुए ग्राम वासियों को आश्वासन दिया और त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया गया है। कंबल वितरण करने के दौरान विधायक प्रतिनिधि रवि अग्रवाल नीरज अग्रवाल, अविनाश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल बूथ अध्यक्ष रामजतन यादव ,सहदुल खान, राम विशाल सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल द्वारा पिछले 20 वर्षों से अंबिकापुर उदयपुर लखनपुर सहित आसपास के जरूरतमंद लोगों की सेवा भाव से निरंतर सेवा करते हैं। ठंड के मौसम में गर्म कपड़ों और कम्बल का वितरण किया जाता है। समय-समय पर उनकी समस्याओं का भी निराकरण करते आ रहे हैं।

जबरन दुष्कर्म के मामले मे आरोपी गिरफ्तार

- » थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही
- » दुष्कर्म सम्बन्धी अपराधों मे सरगुजा पुलिस द्वारा की जा रही लगातार सख्त एवं त्वरित कार्यवाही

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा दुष्कर्म सम्बन्धी अपराधों मे शामिल आरोपियों पर लगातार सखूती से कार्यवाही कर धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं दिनांक 15.12.2024 को प्रार्थीया/पीडिता उम्र 24 वर्ष साकिन ग्राम जमहौर, डिपाडीह थाना शंकरगढ जिला बलरामपुर के द्वारा थाना उपस्थित आकर लिखित शिकायत आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज करायी कि

दिनांक 14.12.2024 को यह शाम को अपने किराये के कमरे/मकान के सामने खाली जगह में बाथरुम करने गयी थी, उसी समय बिहारी नामक व्यक्ति उसके पास आया और उसका हाथ पकडकर खींचकर जबरन बगल के खुला जगह में ले जाकर उसके साथ जबरन बलात्कार कर एवं पीडिता के चिल्लाने पर उसके मुंह को दांत से काटकर पास पडे ईंट से चेहरा में मारपीट किया है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 743/24 धारा 64(1), 115(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा पीड़िता से पुछताछ कर कथन लिया गया है। विवेचना दौरान पीड़िता से सहमति प्राप्त कर उसका गुप्तांग मुलाहिजा एवं पीडिता को आयी चोटों का मुलाहिजा कराया गया है। प्रकरण के आरोपी सत्येन्द्र मिश्रा उर्फ बिहारी के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने से आरोपी को हिरासत में लेकर थाना लाकर आरोपी का लिंग व स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया है, जिसे मुताबिक चेकलिस्ट में दर्ज कारणों के दिनांक 15.12.2024 को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी की सूचना आरोपी के परिजनो को दिया गया। आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर पीड़िता के साथ जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे अपराध क्रमांक 743/24 धारा 64(1), 115(2) बी.एन.एस. पंजीबद्ध कर आरोपी कों गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, उप निरीक्षक रश्मि सिंह, सहायक उप निरीक्षक वीरेंद्र कुजूर, प्रधान आरक्षक चंद्र प्रकाश टंडन, आरक्षक घनश्याम देवांगन, रामजी खलखो, सैनिक संतोष संत, महिला-आरक्षक भोली राजवाड़े सक्रिय रहे।

महाविद्यालय के व्याप्त समस्याओं के संबंध में अभाविप ने सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अभाविप अम्बिकापुर के शा.राजीव गांधी पी.जी.महाविद्यालय इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा महाविद्यालय में व्याप्त समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया ।

महाविद्यालय पिछले कई वर्षो से विभिन्न समस्याओं व सुविधाओ के आभाव जुझता रहा है पूर्व में विद्यार्थी परिषद द्वारा कई बार महाविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन द्वारा सूचित किया गया की महाविद्यालय में समस्याओं व सुविधाओ का अभाव है परंतु इसमें किसी भी प्रकार का कोई सुधार नहीं किया गया । महाविद्यालय अध्यक्ष सूर्या दुबे द्वारा बताया गया कि महाविद्यालय में बीते दिन जारी हुए परीक्षा परिणाम में भूगोल विषय में छात्रों का परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं आया है यदि पुनर्मूल्यांकन या पुर्नगणना में

विद्यार्थी उत्तीर्ण होते हैं तो महाविद्यालय द्वारा पुनर्मूल्यांकन व पुर्नगणना हेतु लिया गया शुल्क वापस होना चाहिए व महाविद्यालय में शैक्षणिक कैलेंडर जारी होने के बाद भी सेमेस्टर पीछे चल रहा है ।

महाविद्यालय परिसर के वाटिका में युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा,सभी मार्गो और महाविद्यालय के आस पास ष्टष्टञ्जङ्क की व्यवस्था ,पुराने सभागार के साफ़ सफ़ाई,प्रयोगशालाओं की व्यवस्थाओं को सुदृढ़,महाविद्यालय में क्लास रूम व शौचालय की साफ़ सफाई और भी विभिन्न विषयों को लेकर विद्यार्थी परिषद में ज्ञापन सौंपा है ज्ञापन सौंपते समय प्रमुख रूप से नगर मंत्री सतेंद्र मिश्रा,नगर सहमंत्री आस्तिक सिंह, सृष्टि सिंह लकी सिंह, मोनू सूरज,प्रेरण,विवेक आकाश, पीयूष, कनिष्ठ, अजहर मनबोध, राकेश, आफताब, शुभम, राहुल अन्य कार्यकर्ता व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे ।

मितानिन सम्मेलन और स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
लखनपुर, 16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पीएस मार्को के निर्देशानुसार खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओपी प्रसाद के मार्गदर्शन में लखनपुर विकासखंड के बिनकरा उप स्वास्थ्य केंद्र में 16 दिसंबर दिन सोमवार की सुबह 11 बजे मितानिन सम्मेलन और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। लखनपुर विकासखंड के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर एवं मितानिन प्रशिक्षिकाओं को प्रोत्साहित करने हेतु शाल श्रीफल डायरी पेन देकर सम्मानित कर किया गया। स्वास्थ्य शिविर में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मितानिन प्रशिक्षिकाओं सहित शिविर में आए लगभग 58 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए दवा का वितरण किया गया। इस दौरान बीएमओ डॉक्टर ओपी प्रसाद ,बीपीएम साधना लकड़ा, सहित स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जायसवाल युवा मंच का युवा संवाद कार्यक्रम हुआ आयोजित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कल्चुरी जायसवाल समाज के युवा मंच के द्वारा युवा संवाद का कार्यक्रम आयोजित हुई जिसमें वार्षिक सदस्यता लिए हुए युवा एवं नए युवाओं को समाज से जुड़कर समाज के उन्नति प्रगति और आदर्श समाज बनाने के लिए शुरुआत किया गया युवा संवाद में युवाओं से संवाद स्थापित करते हुए जायसवाल समाज के युवा अध्यक्ष आयुष जायसवाल ने कहा कि हम सब युवाओं को एक मंच में आना होगा और समाज के लिए काम करना होगा इसके लिए हम सबको संगठित होने की आवश्यकता है और मन में जो भी विचार है आप सभी के विचार को संगठित करके इस समाज के पौधे को एक विशाल वृक्ष की ओर ले जाना है और जिसके मन में ये लगता है कि ये नहीं हो सकता उस काम को एकदम करने का लक्ष्य रखकर आगे बढ़ना है तभी जाकर समाज बनेगा और इससे राष्ट्र की भी उन्नति होगी समाज के गरीब के साथ पीड़ित व्यक्ति की मदद करना भी जायसवाल समाज का लक्ष्य होगा युवाओं से बात करते हुए कहा कि जब तक आप साथ नहीं

आयेंगे तब तक कुछ नहीं हो सकता कार्यक्रम में जायसवाल समाज के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया जिसमें साल भर के कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई विमोचन में युवा समाज के संरक्षक विक्रांत जायसवाल, आशित जायसवाल,अमित जायसवाल आयुष जायसवाल , एवं मयंक जायसवाल के हाथों किया गया एवं कल्चुरी जायसवाल समाज के अध्यक्ष उमेश जायसवाल एवं महिला अध्यक्ष श्वेता गुप्ता के हाथों समाज में अच्छे कार्य करने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया सम्मानित होने वाले में राजनीतिक क्षेत्र में आशीष जायसवाल, सांस्कृतिक क्षेत्र में स्वप्निल जायसवाल और प्रशासनिक क्षेत्र में नरेंद्र जायसवाल को सम्मानित किया गया साथ की कार्यकारिणी का विस्तार के उनको आई कार्ड भी जारी कर सम्मानित किया गया जिसमें उपाध्यक्ष पद पर अनूप जायसवाल, राजकृति जायसवाल,महामंत्री पद पर अविनाश जायसवाल ,जो मंच का संचालन भी किया कोषाध्यक्ष के पद पर रोहित जायसवाल , महालेखाकार पद पर हिमांशु जायसवाल एवं विकास जायसवाल, सलाहकार के रूप में विनाल गुप्ता को एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी के रूप में हिमांशु जायसवाल एवं रवींद्र जायसवाल को ओर व्यवस्थापक में सूरज जायसवाल, अक्षय जायसवाल, हर्ष जायसवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई आभार प्रदर्शन हिमांशु जायसवाल ने किया कार्यक्रम में आकाश गुप्ता, शुभम जायसवाल, दीपक जायसवाल, रोहित जायसवाल, अतुल जायसवाल, रमन जायसवाल, आदित्य विभु जायसवाल, अंकित जायसवाल, प्रतीक जायसवाल, संदीप जायसवाल, विक्रांत जायसवाल, बाबू जायसवाल, प्रियांशु जायसवाल, अमन जायसवाल, शानू जायसवाल, सचिन जायसवाल आदि उपस्थित हुए।

यातायात के नियमो की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों पर सरगुजा पुलिस की सख्त कार्यवाही

- संवाददाता -
लखनपुर, 16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा यातायात के नियमो की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार सख़्ती से कार्यवाही की जा रही हैं, इसी क्रम मे यातायात पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान अत्यधिक तीव्र गति से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों, असंवैधानिक पार्किंग करने वाले वाहन चालकों, खतरनाक ढंग से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों सहित, बिना सीट बेल्ट लगाए चारपहिया वाहन चलाने वाले वाहन चालको सहित अन्य यातायात के

नियमो की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए कुल 134 वाहन चालको से 133500/- रुपये समन शुल्क वसूल किया गया हैं। कार्यवाही के दौरान अत्यधिक तीव्र गति से वाहन चलाये जाने पर कुल 41 वाहन चालकों के विरुद्ध सख़्ती से कार्यवाही करते हुए 48000/- रुपये समन शुल्क वसूल किया गया हैं, असंवैधानिक पार्किंग किये जाने के मामले मे कुल 11 वाहन चालकों से 3900/- रुपये समन शुल्क वसूल किया गया, खतरनाक ढंग से वाहन चलाना पाये जाने पर 04 वाहन चालकों से 8000/- रुपये समन

शिक्षकों की नेटवर्क मार्केटिंग में संलिप्तता पर गोंडवाना पार्टी का विरोध,प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

- संवाददाता -
प्रतापपुर, 16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत प्रतापपुर के अंतर्गत कई सरकारी कर्मचारी, विशेष रूप से शिक्षक, बिना अनुमति के नेटवर्क मार्केटिंग जैसी निजी व्यापारिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इस पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिला महासचिव चंद्रदीप कोरचो द्वारा कलेक्टर सूरजपुर को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रतापपुर करने की अपील की गई है। ज्ञापन में यह आरोप लगाया गया है कि सरकारी कर्मचारी, खासकर शिक्षक, बच्चों के अभिभावकों को भी नेटवर्क मार्केटिंग के इस व्यापार में शामिल कर रहे हैं, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण संहिता, 1965 के तहत प्रतिबंधित है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने यह भी बताया कि हाल ही में सूरजपुर जिले में एक नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य कंपनियां भी सक्रिय हैं, जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक संकट और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी ने प्रशासन से चेतावनी दी है कि यदि इस पर की जाती, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

ज्ञापन में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के कई प्रमुख नेता ब्लॉक अध्यक्ष छोटलाल आयाम, चंद्रमिला आयाम, ब्लॉक अध्यक्ष महिला मोर्चा धर्मपाल, जिला संगठन मंत्री चयन सिंह, कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष राम सिंह, ब्लॉक उपाध्यक्ष रामबरन कोरचो, और भारत कोराम ने भी प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपील की है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई की जाती है, तो जिले की शैक्षिक व्यवस्था और समाज की प्रगति सुनिश्चित

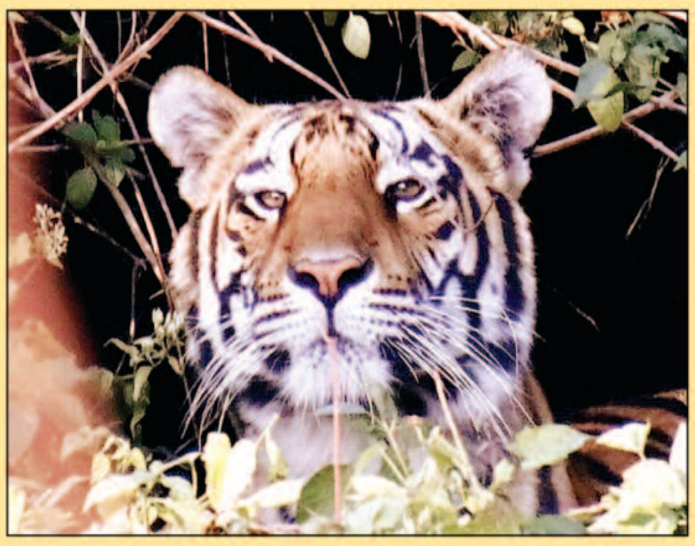

वन विभाग की कड़ी मेहनत से सुरक्षित पकड़ा गई बाघिन

बाघिन का सफल रेस्क्यू,वन विभाग की टीम की बड़ी कामयाबी

कई दिनों से विचरण कर रही थी बाघिन चिरमिरी के जंगलों में

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,16 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

इस समय एमसीबी कोरिया का जंगल बाघ बाघिन का विचरण क्षेत्र बन गया था, लगातार महीने भर से यह खबर आ रही है कि बाघ कभी कोरिया के जंगल में विचरण कर रहे हैं तो कभी चिरमिरी के जंगल में विचरण कर रहे हैं, लगातार बाग रहवासी क्षेत्र तरफ आने की कोशिश में थे, पर जैसे ही इस बात की भनक वन विभाग को लगी वन विभाग बाघ बाघिन को रहवासी क्षेत्र से दूर करने में जुड़ गए, सरगुजा वन प्राणी विभाग की टीम ने चिरमिरी क्षेत्र में भटक कर आई बाघिन को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया है। वन संरक्षक के.आर.बढ़ाई ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से विभाग की टीम इस बाघिन की निगरानी कर रही थी। बाघिन की गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हुए टीम ने आज सुबह चिरमिरी शहर के समीप इसे सुरक्षित तरीके से पकड़ा। बाघिन के शहर के करीब आने से स्थानीय लोगों में डर का माहौल था, लेकिन वन विभाग ने विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों के सहयोग से स्थिति को नियंत्रित किया। वन विभाग की टीम ने पूरी सतर्कता के साथ रेस्क्यू अभियान चलाया, जिससे किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ।

घंटों तक खुद को लोगों की नजरों से झाड़ियों में छुपी थी बाघिन

कोई कल्पना नहीं कर सकता था के हमारे इस क्षेत्र में बाघ भी आ सकता है। घंटों तक खुद को लोगों की नजरों से झाड़ियों के बीच छुपा कर रखी थी बाघिन। सुबह जब हम चिरमिरी में बाघ दिखने की ख़बर सुन उसे देखने पहुंचे तब पता चला नाले की झाड़ियों में छुपी हुई है बाघिन। नाले से सटे एक घर के पीछे उसे देखने की कोशिश की तब वह सुअर के छोटे से बच्चे के पीछे दौड़ते हुए कुछ सेकेंड के लिए सामने आई और तुरंत झाड़ियों में विलुप्त हो गई। रोमांच से भरा था दृश्य। कुछ ही दिनो पहले बाघिन को चिरमिरी में देखा गया था जिसे वन विभाग द्वारा पकड़ लिया गया था ये दूसरी मादा बाघ थी जिसे आज पकड़ा गया है।

लगातार रखी जा रही थी गतिविधि पर नजर

बाघिन की गतिविधियों पर वन विभाग लगातार नजर बनाए हुए थी. टीम ने सोमवार की सुबह चिरमिरी शहर के पास से इस बाघिन को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया. बाघिन के शहर के करीब आने से स्थानीय लोगों में डर का माहौल बना हुआ था. लेकिन, वन विभाग ने विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों की मदद से स्थिति को नियंत्रित किया. वन विभाग की टीम ने पूरी सतर्कता के साथ रेस्क्यू अभियान चलाया, जिससे किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ।

ले जाया जाएगा टाइगर रिजर्व

वन संरक्षक ने बताया कि रेस्क्यू के बाद बाघिन को सुरक्षित स्थान पर ले जाया जाएगा, अधिकारियों के निर्देशानुसार, इसे संभवत‑ अचानकमार टाइगर रिजर्व या किसी अन्य सुरक्षित क्षेत्र में छोड़ा जाएगा, उन्होंने इस पूरे अभियान में आम जनता के सहयोग की सराहना की और कहा कि यह उनकी सतर्कता और टीम वर्क का परिणाम है।

प्राथमिक शाला बंडाभैंसा में स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एस जयवर्धन एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री राम ललित पटेल के मार्गदर्शन में रामानुजनगर के विद्यालयों में छात्रों के शिक्षा एवं स्वास्थ्य को लेकर कई प्रयास किए जा रहे हैं। विकासखंड के दूरस्थ कुमेंली जलप्रपात के समीप विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो बस्ती परशुरामपुर में संचालित प्राथमिक शाला बंडा भैंसा में 62 छात्र है इस विद्यालय में विशेष पिछड़ी जनजाति के 50 पंडो छात्र दर्ज हैं। शिक्षा विभाग के प्रयास से आज विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर छात्रों का चेकअप किया गया

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजनगर के डॉक्टर सुभाष पटेल, डॉ प्रियंका टोप्पो स्वास्थ्य कार्यकर्ता दीपा सिंह एवं पूजा देवांगन ने सभी छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया चार छात्र ईईआई एवं आठ छात्र मौसमी सर्दी खांसी बुखार की से ग्रस्त पाए गए जिनका उपचार कर दवा वितरण किया गया। उपस्थित चिकित्सकों ने छात्रों को ठंड के मौसम से बचने के उपाय भी बताएं। साथ ही अधिकारियों ने सभी छात्रों को कॉपी पेन प्रदाय किया। शिविर में उपस्थित सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार साहू, बीआरसीसी मनोज कुमार जायसवाल, संकुल प्राचार्य चंद्रविजय सिंह तथा सीएसी निरंजन सिंह ने सभी छात्रों को अपने खर्चे से काफी और पेन प्रदाय किया तथा छात्रों को प्रतिदिन स्कूल आने एवं मन लगाकर के पढ़ने की समझाइए दिए।

शिक्षा विभाग की लापरवाही से नौनिहालों का भविष्य खतरे में

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,16 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के खड़गवां विकासखंड में शिक्षा विभाग की लापरवाही और अधिकारियों की अनदेखी से शासकीय विद्यालयों की स्थिति दयनीय हो गई है। प्राथमिक पाठशाला जनकपुर जो मुख्यालय से महज चंद किलोमीटर कि दूरी पर स्थित है वहां पर सिर्फ एक प्रधान पाठक के भरोसे प्राथमिक पाठशाला पहली से पांचवीं की कक्षा संचालित हो रही है। ग्राम वासीयों ने छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री को इसकी लिखित शिकायत कर प्राथमिक पाठशाला जनकपुर में शिक्षक पदस्थ करने की मांग की गई है इस प्राथमिक पाठशाला में अन्य सुविधाएं भी नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों पर पानी फेरते अधिकारी

एक तरफ स्वास्थ्य मंत्री क्षेत्र में स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में जुटे हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ अधिकारी और कर्मचारी उनकी व्यवस्थाओं पर पानी फेरने में लगे हुए हैं। शिक्षा विभाग के इस रवैये से बच्चों के भविष्य पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिक्षा विभाग की इस लापरवाही पर क्षेत्रीय ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। अभिभावकों और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने संबंधित अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप करने और शिक्षको को विद्यालय में पदस्थ करने की मांग की है।

न्यूट्रिशन एण्ड एसबीसीसी के अंतर्गत तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

प्रदेश में कृषि विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 15 जिलों के 27 विकासखण्डों के 1000 ग्रामो में निवासरत ग्रामिण आदिवासी परिवारों के आय में वृद्धि एवं वर्षभर पोषित आहार की उपलब्धता हेतु वर्ल्ड बैंक एवं आई.एफ.ए.डी. के सहयोग से ''चिराग परियोजना'' का क्रियान्वयन किया जा रहा है। परियोजना अंतर्गत चिन्हांकित ग्रामो में पोषण आधारित गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ''पोषण सखी'' के रूप में कार्य करने के लिए प्रतापपुर विकासखण्ड संबंधित 40 ग्रामों से महिलाओं का चयन किया गया है। चयनित महिलाओं ''पोषण सखी'' के रूप में कार्य करने के लिए तकनीकि सहयोगी संस्था

पी.आई.इंडिया के सहयोग से न्यूट्रिशन एण्ड एसबीसीसी के अंतर्गत प्रतापपुर विकासखण्ड के चयनित पोषण सखियों का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला सूरजपुर के जिला पंचायत संसाधन केंद्र में किया गया है।

कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कुपोषण को दूर भगाने के लिए संतुलित आहार एवं पोषण, दैनिक भोजन में आहार विविधता के लिए सामाजिक व्यवहार परिवर्तन हेतु ग्रामिणों को प्रेरित करने हेतु कहा। साथ ही बाल विवाह रोकथाम के लिए प्रचार प्रसार कर जागरूकता लाने हेतु कहा गया। इस दौरान उपसंचालक कृषि सुश्री संपदा पैकरा, सहायक संचालक कृषि श्री दुरेश साय पैकरा,जमुना सिंह ग्रामिण कृषि विस्तार अधिकारी, मास्टर टेऊनर री पिंटू ठाकुर और श्री रूपनाथ पीसीआई इंडिया एवं श्रीमती विभा साहू सुपरवाइजर महिला बाल विकास विभाग तथा प्रशिक्षार्थी पोषण सखी उपस्थित थे। प्रथम दिवस मास्टर टेऊनरों के द्वारा परिचय, चिराग योजना का उद्देश्य व घटक, सामाजिक व्यवहार परिवर्तन हेतु संचार का परिचय, सहभागिता को सुगम बनाने के लिए वयस्कों के सीखने का सिद्धांत एवं कौशल विकास क्या और क्यों, कुपोषण एवं परिवार के लिए संतुलित आहार एवं आहार एवं विविधता के संबंध में पीपीटी, ब्रोशर, वीडियों आदि के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।

शिक्षकों की नेटवर्क मार्केटिंग में संलिप्तता पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने की सख्त कार्रवाई की मांग

-संवाददाता-
प्रतापपुर,16 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जनपद पंचायत प्रतापपुर के अंतर्गत कई सरकारी कर्मचारी, विशेष रूप से शिक्षक, बिना अनुमति के नेटवर्क मार्केटिंग जैसी निजी व्यापारिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इस पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिला महासचिव चंद्रदीप कोरचो द्वारा कलेक्टर सूरजपुर को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रतापपुर को इस गंभीर मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की गई है। ज्ञापन में यह आरोप लगाया गया है कि सरकारी कर्मचारी, खासकर शिक्षक, बच्चों के अभिभावकों को भी नेटवर्क मार्केटिंग के इस व्यापार में शामिल कर रहे हैं, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण संहिता, 1965 के तहत प्रतिबंधित है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने यह भी बताया कि हाल ही में सूरजपुर जिले में एक नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य कंपनियां भी सक्रिय हैं, जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक संकट और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी ने प्रशासन से चेतावनी दी है कि यदि इस पर एक सप्ताह के भीतर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। ज्ञापन में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के कई प्रमुख नेता ब्लॉक अध्यक्ष छोटलाल आयाम, चंद्रमिला आयाम, ब्लॉक अध्यक्ष महिला मोर्चा धर्मपाल, जिला संगठन मंत्री चयन सिंह, कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष राम सिंह, ब्लॉक उपाध्यक्ष रामबरन कोरचो, और भारत कोराम ने भी प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपील की है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई की जाती है, तो जिले की शैक्षिक व्यवस्था और समाज की प्रगति सुनिश्चित की जा सकेगी।

बालको सस्टेनेबिलिटी से उर्जा संरक्षण को दे रहा बढ़ावा

-संवाददाता-
कोरबा,16 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियमम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने वित्तीय वर्ष में उर्जा संरक्षण के विभिन्न पहल के माध्यम से अपनी निरंतर प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपने प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए कंपनी ने अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। कंपनी हरित ईंधन के विभिन्न स्रोतों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, बायोमास, बायोडीजल आदि के माध्यम से अपने ऊर्जा मिश्रण में हरित ऊर्जा की मात्रा को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है।

कंपनी संयंत्र में छह इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट का उपयोग कर रहा है जो 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। दैनिक प्रचालन कार्यों में इसका महत्वपूर्ण योगदान है जो तैयार माल की आवाजाही, ब्रेकडाउन, रखरखाव प्रबंधन, कच्चे माल की आवाजाही, स्टोर प्रबंधन और गोदाम संचालन जैसे कार्यों को सुविधाजनक बनाया है। अनुमानित रूप से प्रति वर्ष लगभग 93,000 लीटर डीजल की खपत में कमी आई है। कंपनी ने डीकार्बोनाइजिंग को बढ़ावा देते हुए पूरे संयंत्र में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी वाहनों के लिए ईंधन के रूप में बायो-डीजल तथा आवाजाही के लिए इलेक्ट्रिक

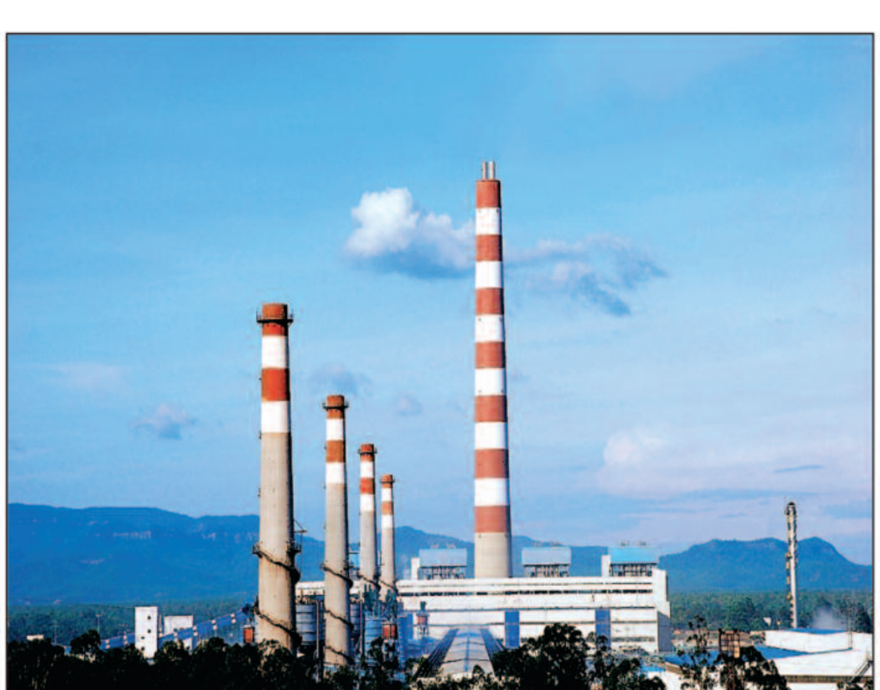

वाहन का उपयोग कर रहा है। कंपनी अपने स्मेल्टर संचालन में बायोडीजल उपयोग कर रहा है। पिघले हुए गर्म धातु (एल्यूमिनियम) को लेकर जाने वाले लैडल्स को गर्म करने के लिए बायोडीजल का इस्तेमाल करता है। बायोडीजल कार्बनिक पदार्थों से प्राप्त ईंधन का रूप है जिसके उपयोग से जीवाश्म ईंधन की तुलना में काफी कम ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन होता है जो वेदांता कंपनी के विजन नेट जीरो कार्बन के अनुरूप है। 2022 में बालको ने विभिन्न उर्जा संरक्षण पहल से लगभग 22000 गीगा जूल ऊर्जा की बचत की थी जो 2024 में बढ़कर लगभग 24,587 गीगा जूल पहुंच गई है। कंपनी अपने विश्व स्तरीय स्मेल्टर में एनर्जी इफीसिएंसी ग्रेफाइटाइज्ड पॉट का उपयोग कर उर्जा खपत को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्मेल्टर में पॉट कंट्रोलर अपग्रेडेशन के साथ कंपनी लगभग प्रति मीट्रिक टन पर 150 किलोवॉट बिजली खपत को कम किया है। अनुमानित रूप से 246 टन कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है। कंपनी के विभिन्न पहल के साथ महत्वाकांक्षी लक्ष्य वर्ष 2030 तक नेट वाटर पॉजिटिविटी और 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन की स्थिति हासिल करना है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि हम बालको में पर्यावरणीय भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने मिशन की आधारशिला के रूप में ऊर्जा-कुशल संस्कृति को लागू करने के लिए समर्पित हैं। हमारे विभिन्न पहल के माध्यम से संयंत्र के साथ समुदाय में जिम्मेदार ऊर्जा खपत को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिज्ञा का प्रतीक है। नवाचार, जागरूकता और सहयोग के माध्यम से हम स्थायी और एनर्जी इफीसिएंसी व्यवसाय प्रथाओं को अपना रहे हैं जो हरित, पर्यावरण अनुकूल दुनिया की ओर सांस्कृतिक बदलाव को भी प्रेरित कर रहे हैं।

न्यायालयय तहसीलदार
सूरजपुर जिला सूरजपुर.छ0ग0

क्र. 756 राजस्व प्रकरण क्र./ब 121 /2024/ 10.12.2024

ईश्तहार

आवेदिका का नाम नान साय आ0 सोमार साय जाति अगरिया निवासी ग्राम केतका प0ह0नं0 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने पुत्री अनिता आ0 नान साय मृत्यु/जन्म दिनांक 20/12/2022 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोईआपत्ति हो तो दिनांक 19/12/2024 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/12/2024 को जारी किया जाता है

(सील) तहसीलदार सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क./अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्रामीण जन ग्राम-कुंजनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री प्रकाश कुमार शर्मा आ0 स्व0 सीताराम शर्मा, जाति लोहार, निवासी ग्राम सतपता,पोस्ट विश्रामपुर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कुंजनगर,प0ह0नं0 04, रा0नि0मं0 विश्रामपुर तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 95/2 रकबा 0.07 में से रकबा 0.05 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन - पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 27/12/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 13/12/2024 न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

क्या हदीस नाम का व्यक्ति शिकायतकर्ताओं को दिला पायेगा ठगी का पैसा जिन्हें वह एफआईआर करने से रोक रहा ?

पहले लोग अशफाक के बातों में आकर ठगे गए,क्या अब हदीस नाम के व्यक्ति के बातों में आकर ठगे जाएंगे?

कई जगह पर आ रहा हदीस का नाम पर क्या सूरजपुर पुलिस कर पाएगी हदीस और अशफाक के पास बीच के तार का खुलासा?

महाठग अशफाक की महिला मित्र तक क्या पहुंच पाएगी पुलिस?

अशफ़ाक के घर के आस-पास के लोग हुए ठगी के शिकार,शिकायतकर्ताओं के शिकायत पर नहीं हुई एफआईआर...

अशफाक के विरुद्ध सूरजपुर में मात्र तीन एफआईआर,एक एफआईआर अंबिकापुर में... बाकी 101 हैं ठगी के शिकायतकर्ता

शुरू की शिकायत पर हुई एफआईआर गिरफ्तारी के बाद हुए 101 शिकायत पर अभी तक कोई भी एफआईआर नहीं हुआ दर्ज क्यों?

-ओमकार पांडेय-
सूरजपुर,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
जिला सूरजपुर के पुलिस अधीक्षक के बदलते ही नए पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह ठाकुर के पदस्थ होते ही सूरजपुर की पुलिसिंग अच्छी होगी इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा था,इसबात का अंदाजा इसलिए लगाया जा रहा था क्योंकि उनके आते ही अपराधियों के अंदर डर का भाव था और सूरजपुर के महाठग अशफ़ाक उल्लाह को अभी तक कोई पकड़ नहीं पाया था,जबकि पकड़ने की बजाय पुलिस के लोग ही उसे सलाम किया करते थे और शिकायत का इंतजार कर रहे थे, और शिकायत आई भी तो गिरफ्तारी करने में नाकाम थे,पर नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक के आते ही अशफाक की गिरफ्तारी हो गई और लोगों को न्याय की उम्मीद जागी, जिस प्रकार से कार्यवाही हो रही थी और रिमांड पर रिमांड लिया जा रहा था इससे लग रहा था कि सूरजपुर पुलिस बड़ी कार्यवाही करते हुए बड़ा खुलासा करेगी, पुलिस की निष्पक्ष कार्यप्रणाली को देखकर ठगी के शिकार हुए लोग भी आकर ठगी की शिकायत देने लगे,101 लोगों ने ठगी की शिकायत यह सोचकर दी की सूरजपुर पुलिस उन्हें न्याय दिलाएगी और उनका खोया हुआ पैसा उन्हें वापस मिल जाएगा, 101 शिकायत ठगी के थे और सारे शिकायत अलग थे अलग-अलग लोगों को अलग-अलग तरीके से ठगा गया था, जिसके लिए 101 एफआईआर दर्ज होने थे जो नहीं किए गए, जिस वजह से अब इस बात का संदेह हो रहा है कि सूरजपुर पुलिस जांच में अब महाठग को बचाने का प्रयास कर रही है, पर क्या यह बात सूरजपुर के पुलिस अधीक्षक जान रहे हैं या नहीं, यह बड़ा सवाल है? क्योंकि अब अशफाक के विरुद्ध निष्पक्ष कार्यवाही की उम्मीद सिर्फ सूरजपुर के पुलिस अधीक्षक से ही है, यदि वह नहीं कर पाते हैं तो यह माना जाएगा कि कोई बहुत बड़ी ताकत अशफाक को बचाने के लिए काम कर रही है या फिर अशफाक का पैसा ही उसे बचाने का काम कर रहा है?

आखिर हदीस नाम का व्यक्ति कौन है जो ठगी के शिकायतकर्ताओं को एफआईआर व शिकायत करने से रोक रहा है?

हदीस नाम का एक व्यक्ति लगातार ठगी के शिकार लोगों को रोक रहा है और असफाक के खिलाफ कम से कम लोग पुलिस तक शिकायत लेकर ठगी की पहुंचे ऐसा उसका पूरा प्रयास है। बताया जा रहा है कि हदीस लोगो को यह कहकर रोक रहा है कि वह सभी का पैसा वापस दिलाएगा जब असफाक वापस आएगा। अब यह कौन है हदीस और क्यों वह असफाक के लिए ऐसा प्रयास कर रहा है और शिकायतकर्ताओं को रोक रहा है यह पुलिस के लिए जांच का विषय होना चाहिए?

क्या अशफाक के शागिर्द हैं हदीस...जो उसकी जमानत लेने के लिए भी प्रयासरत है?

हदीस नाम का व्यक्ति असफाक का जमानत लेने में प्रयासरत है। अब क्या वह शागिर्द है असफाक का यह भी एक सवाल है? अशफाक से वह काफी करीबी है और वह बहुत कुछ जानता है जिसमे वह यह भी जानता है कि असफाक के पास काफी पैसा है और वह छिपा कर रखा है और वह वापस आकर लौटाएगा तभी तो वह लोगों को आश्वासन दे रहा है कि वह एफआईआर न करें। हदीस की जांच पड़ताल और पूछताछ मामले में अहम हो सकती है यह सूत्रों का कहना है ।

क्या अशफ़ाक उल्लाह के ठगी का मामला भी विधानसभा में गूंजेगा?

पूर्व की कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में भाजपा के कार्यकाल के चिटफंड मामलों को भाजपा के नेताओं से जोड़ा था और विधानसभा में भी मामले को उठाया था और सभी ठगी के शिकार हुए लोगों को पैसा भी वापस दिलाने अभियान चलाया था। अब सवाल यह है कि अब भाजपा कांग्रेस के कार्यकाल में हुए इस बड़े चिटफंड मामले को विधानसभा में उठाएगी और क्या वह ठगी के शिकार हुए लोगों का पैसा वापस लौटाएगी। अब सबकुछ सरकार पर निर्भर है।

क्या अशफाक की महिला मित्र तक पहुंच पाएगी पुलिस...ठगी के मामले में अहम भूमिका है महिला मित्र की...महिला मित्र को घर भी गिफ्ट किया है असफाक ने?

असफाक उल्लाह की एक महिला मित्र भी है जिसके माध्यम से भी लेनदेन हुआ है। महिला मित्र को असफाक ने घर भी तोहफे में दिया है। महिला मित्र से अशफाक से संबंधित कई जानकारी मिल सकती है, क्योंकि असफाक की उससे काफी नजदीकियां हैं। अब देखने वाली बात है कि क्या अशफाक उल्लाह की महिला मित्र तक पुलिस पहुंच पाती है। महिला मित्र कई राज खोलेगी ऐसी संभावना है और माना जा रहा है कि करोड़ों का लेनदेन उक्त महिला मित्र के माध्यम से भी हुआ है सूत्रों का दवा है की अशफाक की गिफ्तारी भी महिला मित्र के घर से हुई है, अशफाक नही चाहता है की महिला मित्र तक पुलिस पहुचे।

105 शिकायत में से एफआईआर 4 क्यों?

ठगी सभी के साथ अलग-अलग हुई और अलग-अलग तरह से हुई और अलग-अलग दिन में हुई और अलग-अलग स्कीम पर हुई, फिर सारे ही मामले अलग-अलग ही तो हुए,पर पुलिस 105 शिकायत में अभी तक सिर्फ चार एफआईआर ही दर्ज कर पाई? जिसको लेकर सवाल यह उत्पन्न हो रहा है की क्या पुलिस शिकायतकर्ताओं को गवाह बना रही है? कानून के विद्वान भी इस बात को मान रहे हैं की एफआईआर सभी शिकायतों पर होनी थी है, क्योंकी शिकायतकर्ता अलग-अलग है और उनके साथ अलग-अलग दिन व अलग-अलग समय पर ठगी हुई है और अलग-अलग प्रलोभन में ठगी की गई है कई मामलों में तो कई अन्य लोगों के माध्यम से ठगी हुई है?

अशफाक के ठगी का राज जानती है महिला मित्र?

अशफाक ठगी मामले में एक महिला मित्र का नाम आ रहा है और यह पूरे मामले को ही पलट कर रख दिया है,सूत्रों का कहना है कि अशफाक की कमजोर नस है महिला मित्र,क्योंकि उसी के पास है अशफाक के लेनदेन की सारी जानकारी, अशफ़ाक के पैसे की भी जानकारी उसी के पास है,क्योंकि उन दोनों का जॉइंट अकाउंट भी एचडीएफसी बैंक कोरबा में खुला हुआ है, जिसमें काफी लेनदेन किया गया है वैसे वर्तमान में महिला मित्र भोपाल में है और भोपाल से ही अशफाक की गिरफ्तारी हुई थी, महिला मित्र के संपर्क में है एक पुलिस वाला जो सारी बातों का अपडेट देता है, ऐसा अब सूत्रों का दावा है, सूत्रों का यह भी दावा है कि यह बात सूरजपुर के पुलिस अधीक्षक को भी पता है पर अभी तक उसे पुलिस वाले पर कार्यवाही क्यों नहीं हुई यह अब बड़ा प्रश्न है? क्योंकि शिकायतकर्ता ही यह बात पुलिस अधीक्षक को बताए हैं और पुलिस अधीक्षक ने उसकी कॉल रिकॉर्डिंग भी मांगी थी अब देखना यह है कि पुलिस अधीक्षक कैसे इस मामले को संज्ञान लेकर उसे पुलिस वाले पर कार्यवाही करते हैं।

क्या ठगी के मामले में कई लोग हैं असफाक के सहयोगी?

असफाक उल्लाह अकेले अपने पिता के साथ मिलकर इतनी बड़ी ठगी नहीं कर सकता ऐसा सभी का मानना है। अब सवाल यह उठता है कि क्या इस काम में उसके आसपास के कई लोग उसके सहयोगी है। वैसे बताया जा रहा है कि अशफाक के चिटफंड व्यापार जारी रहने के दौरान उसके गांव के चिकन मटन मार्केट में चिकन मटन का भाव दुगुना हुआ था और उस दौरान उसके आसपास के लोग उसके साथ उसके लिए निवेशक ढूंढते थे और जिसके कारण की उसका यह चिटफंड व्यापार फलता फूलता गया। उसके आसपास के लोगों की भी संलिप्तता जांची जानी चाहिए पुलिस के द्वारा।

क्या ठगी के पैसे से बने घर दुकान व खरीदे गए जमीन की पुलिस ने की जब्ती या सिर्फ गाड़ी जब्ती करके ही लोगों को संतुष्ट कर रही पुलिस?

पुलिस ने अशफ़ाक के वाहनों और कई चल संपत्तियों को अपने कब्जे में लिया है। क्या अशफाक के घर दुकान जैसे अचल संपत्तियों को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। अब यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि ठगी बड़ी है और ठगे गए लोग आम लोग हैं?

शिकायतकर्ताओं के बयान में आ रहा है हदीस का नाम फिर भी जांच की आंच से बचे हैं क्यों?

शिकायकर्ता लगातार हदीस का नाम ले रहे हैं पुलिस के सामने यह सूत्रों का भी दावा है और खुद शिकायतकर्ता भी इसका नाम बता रहे हैं उनका भी कहना है। अब इसके बावजूद हदीस तक पुलिस की जांच क्यों नहीं पहुंच रही है हदीस कैसे पुलिस की जांच की आंच से बचा हुआ है यह भी बड़ा सवाल है। अब देखने वाली बात यही है कि खबर प्रकाशन के बाद क्या हदीस पुलिस के जांच के दायरे में आता है?

ठगी के मामले का खुलासा करके सूरजपुर पुलिस बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकती थी पर क्या पैसे की लालच में उपलब्धि के लक्ष्य से भटक गई?

सूरजपुर पुलिस इस बड़ी ठगी का खुलासा कर सकती थी और काफी अच्छे तरीके से इस मामले पैसे पर्दा उठा सकती थी, पुलिस शुरू में इसी मार्ग पर चल रही थी और वह इसकी उपलब्धि भी गिनवाना चाहती थी, पर अचानक ना जाने उपलब्धि के मार्ग से भटक कर पुलिस लालच की मार्ग पर तो नहीं पहुंच गई, जिस वजह से जांच का रास्ता ही बदलता दिख रहा है। पर पुलिस चाहती तो सफलता की उपलब्धि अपने सर ले सकती थी पर अब क्या आरोपी का सहयोग करके उसे धन अर्जन तो नहीं करना चाह रही?

अंबिकापुर में भाजपा शासन के 1 वर्ष पूर्ण होने पर सुशासन दिवस कार्यक्रम में शामिल हुई कोरिया जिपं अध्यक्ष रेणुका सिंह

विचार गोष्ठी व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

-संवाददाता-
कोरिया,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य में जब से विष्णुदेव की सरकार बनी है तब से सुशासन चल रहा है हर वर्ग, महिला और नौजवानों के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। आज लगभग 72 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने का काम कर रही है। छत्तीसगढ़ शासन के 1 वर्ष पूर्ण होने पर 12 दिसंबर से 21 दिसंबर तक सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। 17 दिसंबर 2024 को राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्याल अंबिकापुर में विचार गोष्ठी व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा जिसमें मेडिकल कॉलेज के छात्र भाग लेंगे। छत्तीसगढ़ शासन के 1 वर्ष पूर्ण होने पर सुशासन दिवस पर प्रदेश सरकार के विभिन्न योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा और सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह, अंबिकापुर नगर निगम की पार्षद मंजूषा भगत, नीलम रजवाड़े,प्रियंका चौबे कार्यक्रम में शामिल होंगे।

धान खरीदी केन्द्रों में फैली अव्यवस्था,किसान हो रहे परेशान, जनपद अध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ गोविंदपुर सोसाइटी का घेराव

-संवाददाता-
प्रतापपुर,16 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
धान खरीदी केन्द्रों में अव्यवस्था फैली है। किसानों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है इसी कड़ी में सोमवार को किसानों और आम जनों की समस्याओं को लेकर आदिम जाति में सहकारी समिति गोविंदपुर का घेराव व धरना प्रदर्शन कर कलेक्टर के नाम से तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया सभा को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष ने कहा कि 14 नवंबर से पूरे प्रदेश में धान खरीदी शुरू है,लेकिन धान खरीदी केन्द्रों में फैली अव्यवस्था तथा सरकार की नीतियों के कारण किसानों को परेशान होना पड़ रहा है। जिसमें मेरे द्वारा धान खरीदी केन्द्रों पर गये, जहां उन्होंने किसानों की परेशानियो को देखा। धान खरीदी केन्द्रों में किसान परेशानियों से जूझ रहे है। बारदाने की कमी है,जिससे किसानों को धान बेचने में परेशान होना पड़ रहा। सरकार ने कहा है कि 50 प्रतिशत नये, 50 प्रतिशत पुराने बारदानों का उपयोग किया जाये। 50 प्रतिशत पुराने बारदाने समितियों में पहुंचे ही नहीं है, जिसके कारण धान खरीदी बाधित हो रही है। पुराने बारदाने फटे हुये है, जिसमें धान भरा ही नहीं जा सकता। किसानों से कहा जा रहा है कि 50 प्रतिशत बारदानों की व्यवस्था स्वंय करो। उसका भुगतान किया जायेगा, लेकिन किसानों के बारदाने का पैसा भी नहीं मिल रहा। टोकन की व्यवस्था अव्यवहारिक है,जिससे किसानों को परेशान होना पड़ रहा, नंबर ही नहीं आ रहा। टोकन कटने की तारीख से 7 से 10 दिन बाद धान बेचने के लिये किसानों को बुलाया जा रहा है। 15 दिन बाद तक का भी टोकन नहीं मिल रहा। इलेक्ट्रॉनिक कांटा में जो तौलाई हो रहा है उसमें 1.5 किलोग्राम से 2.5 किलोग्राम अधिक तौला जा रहा है। सोसायटियों में धान का उठाव नहीं होने के कारण जगह की कमी है। धान के बोरे जाम है। जगह का अभाव हो गया है। अनावरी रिपोर्ट कम बनाई गयी है तथा खरीदी भी 21 क्विटल के हिसाब से नहीं हो रही है।किसानों से पूरा धान नहीं खरीदा जा रहा है। अनावरी रिपोर्ट गलत बनाया जा रहा जिसके आधार पर मात्र 9 से 12-14 क्विंटल धान खरीदा जा रहा। किसानों से पूरा 21 क्विंटल धान नहीं खरीदा जा रहा है। बड़े किसान अपनी बारी का इंतजार कर रहे उनकी बारी नहीं आ रही है। सरकार ने यह घोषणा किया है कि 72 घंटे में किसानों के खाते में पैसा आयेगा, लेकिन जो लोग धान बेच चुके है, उनके खाते के रकम हफ्तों तक नहीं आया है, जो रकम रहा है वह एक मुश्त 3100 नहीं है। सिर्फ 2300 रु. प्रति क्विंटल ही आ रहा है, जो समर्थन मूल्य है उतना है। भाजपा ने 3100 रू. एक मुश्त देने का वादा किया था। हमारी मांग है धान की कीमत का भुगतान 3217 रू में करें क्योंकि 3100 रू. भाजपा ने अपने चुनावी वायदे में कहा था। इस वर्ष केन्द्र सरकार ने ध्यान का समर्थन मूल्य 117 रू. बढ़ा दिया है। इस कारण इस वर्ष धान की खरीदी 3100 रु. से बढ़ाकर 3217 रू. किया जाए। कांग्रेस के समय भी कांग्रेस ने धान का समर्थन मूल्य 2500 देने का वादा किया था, लेकिन समर्थन मूल्य बढने पर कांग्रेस ने 2640 रू. में धान खरीदी किया था। बीज उत्पादक किसानों से सोसायटी में धान नहीं खरीदा जा रहा। सोसायटी में सूचना चस्पा किया गया है कि बीज उत्पादक किसानों का धान नहीं लिया जायेगा। सोसायटी से धान संग्रहण केंद्रों में भेजा जा रहा है जबकि यह सीधे मिलरों के पास जाना चाहिये। इस कारण सोसायटी में संग्रहण केंद्रों के बीच परिवहन की लागत अतिरिक्त आ रही है। लेबर चार्ज बढ़ गया इसमें भ्रष्टाचार किया जा रहा है। पिछले वर्ष का सुखत का पैसा सोसायटियों को अभी तक नहीं दिया गया। कार्यक्रम में शक्कर कारखाना के पूर्व अध्यक्ष विद्यासागर सिंह राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह टेकाम जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष इम्तियाज जफर नगर पंचायत अध्यक्ष कंचन सोनी जनपद पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधी संजीव श्रीवास्तव बलरामपुर पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अनिल कुशवाहा बलवीर यादव मासूम इराकी सुमित सोनी अनुप गुप्ता मोती यादव जानसाय मराबी विजय महबूब पिंटु खान गोरेलाल रामचंद्र सहित सैकड़ो की संख्या में आम जानवर किसान उपस्थित थे शांति व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन की टीम मौजूद रही।

खेल की संक्षिप्त खबरें

गिलेस्पी ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के कोच के पद से क्यों इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 16 दिसंबर 2024 । जेसन गिलेस्पी ने खुलासा किया है कि मैच से पहले प्लेइंग इलेवन के बारे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ उनका कोई स्पष्ट संवाद नहीं था और उन्होंने कहा कि रेड-बॉल कोच के रूप में उनकी भूमिका केवल कैचों को मारने तक सीमित रह गई थी।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी ने अप्रैल में दो साल के लिए पाकिस्तान के रेड-बॉल कोच का पद संभाला था । लेकिन गिलेस्पी ने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका में पाकिस्तान की टेस्ट श्रृंखला से पहले अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

ऑस्ट्रेलिया में बुमराह के 50 विकेट लेने के बाद एलन बॉर्डर ने सराहा

ब्रिस्बेन, 16 दिसंबर 2024 । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान एलन बॉर्डर ने भारतीय तेज गेंदबाज

जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज मैल्कम मार्शल जितना ही ऊंचा दर्जा दिया है और कहा है कि उन्होंने बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नहीं देखा है, जो शायद ही कभी विकेट लिए बिना गेंदबाजी करता हो। 2024 में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन को जारी रखते हुए,जसप्रीत बुमराह ने कपिल देव के बाद ऑस्ट्रेलिया में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले केवल दूसरे भारतीय गेंदबाज बनकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

टेस्ट सीरीज के लिए स्क्वॉयड का ऐलान

» स्टार प्लेयर की वापसी

नई दिल्ली, 16 दिसंबर 2024 । अगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। टेस्ट सीरीज के लिए टीम का कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी को बनाया गया है। टेस्ट टीम में लंबे समय बाद स्टार स्पिनर राशिद खान की वापसी हुई है। उन्होंने अफगानिस्तान के लिए आखिरी टेस्ट मैच साल 2021 में खेला था। वह अभी तक 5 टेस्ट मैच खेले चुके हैं, जिसमें उन्होंने 34 विकेट अपने नाम किए हैं।

7 अनकैप्ड प्लेयर्स को मिला मौका

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में 7 अनकैप्ड प्लेयर्स को मौका मिला है। इनमें ऑलराउंडर इस्मत आलम, स्पिनर जहीर शहजाद और तेज गेंदबाज बशीर अहमद अफगान शामिल हैं। इन तीनों ने ही घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन किया है, जिसका अब उन्हें इनाम मिला है। अजमतुल्लाह उमरजई, फरीद अहमद मलिक, रियाज हसन और सेदिकुल्लाह अटल को भी टीम का हिस्सा बनाया गया है। इन प्लेयर्स ने भी अभी तक टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है। इन चारों को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए स्क्वाड में मौका मिला था, जो बारिश की वजह से बिना गेंद फेंके ही रद्द हो गया था।

चीफ सेलेक्टर ने कही ये बात

एसीबी के अंतरिम मुख्य सेलेक्टर अहमद शाह सुलेमानखिल ने कहा कि राशिद खान की टेस्ट टीम में वापसी हुई है, जो हमारे लिए टेस्ट फॉर्मेट में एक आशाजनक संकेत है। प्लेयर्स ने अच्छी तैयारी की है और इसकी हमने निगरानी भी की है। इसके बाद टीम का चयन किया गया है। टीम में इस्मत आलम, बशीर अहमद और जहीर शहजाद सहित कई नए चेहरे शामिल हैं, जिन्होंने अहमद शाह अब्दाली टूर्नामेंट में अच्छा खेल दिखाया है। अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच दोनों टेस्ट बुलावायो में खेले जाएंगे। पहला मुकाबला 26 दिसंबर को होगा। वहीं दूसरा मैच 2 जनवरी 2025 से खेला जाएगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए अफगानिस्तानी टीम

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उप-कप्तान), इकराम अलीखाइल (विकेटकीपर), अफसर जजई (विकेटकीपर), रियाज हसन, सेदिकुल्लाह अटल, अब्दुल मलिक, बहीर शाह महबूब, इस्मत आलम, अजमतुल्लाह उमरजई, जहीर खान, जिया उर रहमान अकबर, जहीर शहजाद, राशिद खान, यामीन अहमदजई, बशीर अहमद अफगान, नवीद जादरान और फरीद अहमद मलिक।

शाकिब अल हसन की मुश्किलें बढ़ीं

» अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने ले लिया बड़ा फैसला

ढाका, 16 दिसंबर 2024। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा फैसला लेते हुए स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को आईसीसी द्वारा अनुमोदित घरेलू और इंटरनेशनल दोनों राष्ट्रीय महासंघों द्वारा संचालित सभी टूर्नामेंट में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया है। इससे पहले इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भी शाकिब को गेंदबाजी से निलंबित कर दिया था। बीसीबी ने कहा है कि शाकिब जल्दी ही मान्यता प्राप्त परीक्षण सेंटर में दोबारा जांच के लिए उपस्थित होंगे। ताकि उनके एक्शन को मंजूरी मिल सके और उनका निलंबन हट सके। वह टेस्ट और टी20 से रिटायरमेंट ले चुके हैं।

ईसीबी ने भी लिया था एक्शन

ESPN क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप में एक क्रिकेट मैच के दौरान उनके संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की रिपोर्ट की गई थी। इसके बाद इसी महीने की शुरुआत में वह आईसीसी द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षण सेंटर, लॉफबोरो विश्वविद्यालय में अपने एक्शन की जांच में विफल रहे थे। इसके बाद ECB ने बड़ा एक्शन लेते हुए उन्हें गेंदबाजी से बैन कर दिया। फिलहाल शाकिब घरेलू और इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में एक बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं।

टेस्ट और टी 20 ले चुके हैं रिटायरमेंट

शाकिब अल हसन के लिए पिछले कुछ महीने बहुत ही खराब गए हैं। जब उनकी पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग की सरकार छात्रों के विरोध प्रदर्शन के कारण गिर गई। इसके बाद वह अपने टेस्ट करियर का अंत ढाका में खेलकर करना चाहते हैं, लेकिन वह बांग्लादेश में हुई एक हत्या के मामले में आरोपी हैं। इसी वजह से वह बांग्लादेश नहीं लौटे। अभी वह सिर्फ वनडे ही खेल रहे हैं, लेकिन उनको अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। वह अभी लंका टी10 टूर्नामेंट में खेल रहे हैं।

बांग्लादेश के लिए तीनों फॉर्मेट

शाकिब अल हसन बांग्लादेश के लिए तीनों फॉर्मेट में क्रिकेट खेल चुके हैं और उन्होंने बांग्लादेश के लिए 71 टेस्ट में 4609 रन बनाए और 246 विकेट लिए। उनके नाम पर 247 वनडे मैचों में 7570 रन और 317 विकेट है। वह बांग्लादेश के लिए 129 टी20 इंटरनेशनल में 2551 रन और 149 विकेट ले चुके हैं।

केन विलियमसन ने यशस्वी जायसवाल को छोड़ा पीछे

ब्रिसबेन,,16 दिसंबर 2024। इंग्लैंड क्रिकेट टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच में न्यूजीलैंड की टीम ड्राइविंग सीट पर है। टीम की कुल बढ़त 578 रनों की हो गई है। इस मैच में केन विलियमसन ने अच्छा प्रदर्शन किया। उनके आगे इंग्लैंड के गेंदबाज टिक नहीं पाए और बुरी तरह से फ्लॉप रहे। विलियमसन ने मैच में 156 रन बनाए। अपनी पारी के दौरान उन्होंने 20 चौके और एक छक्का लगाया।

मार्नस लाबुशेन की कर ली बराबरी

इंग्लैंड के खिलाफ शतक जड़ते ही केन विलियमसन वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने मार्नस लाबुशेन की बराबरी कर ली है। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में कुल 11-11 शतक लगाए हैं। डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा शतक जड़ने का रिकॉर्ड जो रूट के नाम है। रूट ने 18 शतक लगाए हैं। केन विलियमसन वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 में सबसे ज्यादा शतक जड़ने के मामले में यशस्वी जायसवाल से आगे निकल गए हैं। विलियमसन के नाम डब्ल्यूटीसी 2023-25 में अब 5 शतक हो गए हैं। वहीं जायसवाल के नाम चार शतक दर्ज हैं। डब्ल्यूटीसी 2023-25 में सबसे ज्यादा 7 शतक जो रूट ने लगाए हैं।

टेस्ट क्रिकेट में बना चुके 9000 से ज्यादा रन

केन विलियमसन की गिनती दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में होती है और उन्होंने अपने दम पर टीम को कई मैचों में जीत दिलाई है। उन्होंने अपने करियर का कुल 33वां शतक लगाया है। उन्होंने साल 2010 में टेस्ट में डेब्यू किया था। इसके बाद से 105 टेस्ट मुकाबलों में कुल 9276 रन बनाए हैं।

ऐसे बुरे फंसे यशस्वी जायसवाल कि निकल ही नहीं पा रहे

नई दिल्ली, 16 दिसंबर 2024 । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज अभी बराबरी पर है। साथ ही सीरीज के दौरान कुछ ऐसे पल भी आ रहे हैं, जो रोमांच भरते हैं। जहां इस सीरीज में टीम इंडिया के लिए कुछ युवा खिलाड़ी खेल रहे हैं, वहीं अनुभवी प्लेयर्स भी अपनी छाप छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। पहले ही मैच में भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और ऑस्ट्रेलिया के स्टार खिलाड़ी मिचेल स्टार्क आमने सामने आ गए थे। इसे जायसवाल की नादानी ही कहेंगे कि वे स्टार्क जैसे बड़े खिलाड़ी से भिड़ गए। इसके बाद अब तक इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। स्टार्क ने जायसवाल को ऐसा जकड़ा कि अभी तक वे इससे निकल ही नहीं पा रहे हैं।

जायसवाल ने पहले ही टेस्ट में स्टार्क पर किया था कमेंट

दरअसल जब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट मैच खेला गया तो पहली पारी में तो जायसवाल शून्य पर आउट हो गए थे। लेकिन दूसरी पारी में जायसवाल का बला चला और खूब चला। उन्होंने मुश्किल हालात में 161 रनों की धमाकेदार पारी खेली। जब बल्लेबाज रन बना रहा होता है तो कभी कभी कुछ ज्यादा ही उत्साह में आ जाता है। ऐसा ही जायसवाल के साथ भी हुआ। इसी जोश में जायसवाल ने स्टार्क की एक बॉल को काफी स्लो बोल दिया था। किसी तेज गेंदबाज से

कहा जाए कि गेंद काफी धीमी है, तो ये बात उसके दिल पर जाकर लगती है। ऐसा ही शायद स्टार्क के भी साथ हुआ।

जायसवाल के पीछे ही पड़े हुए हैं स्टार्क

मिचेल स्टार्क ने शायद उसी वक्त ठान लिया था कि अब जायसवाल को वे अपनी गेंदबाज दिखाएंगे। हुआ भी ऐसा ही। दूसरे टेस्ट की पहली पारी में स्टार्क ने जायसवाल को आउट कर दिया। ये डे नाइट टेस्ट था और जायसवाल स्टार्क की पहली ही बॉल पर आउट होकर पवेलियन लौट गए थे। इसके बाद भी स्टार्क को चैन नहीं मिला। तीसरे टेस्ट की पहली पारी में फिर से स्टार्क ने ही जायसवाल को आउट किया। इस मैच में दो बॉल पर चार ही रन बना पाए थे। यानी स्टार्क की पहली बॉल पर जायसवाल ने चौका लगाकर उन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन अगली ही बॉल पर स्टार्क ने उन्हें चारों खाने चित्त कर दिया।

एक शतक के बाद खामोश है जायसवाल का बल्ला

जायसवाल उस 161 रन की पारी के बाद से लेकर अब तक एक भी बार बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। उम्मीद की जा रही थी कि जायसवाल अब ऑस्ट्रेलिया की कंडीशन को अच्छी तरह से समझ गए होंगे और आने वाले दिनों में बड़ी पारी खेलने में कामयाब होंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। हालांकि अभी भी काफी सीरीज बची हुई है, उसमें देखना होगा कि जब जायसवाल और मिचेल स्टार्क आमने सामने आएंगे तो क्या कुछ होता है।

कार्तिक आर्यन के हाथ लगी नई रोमांटिक ड्रामा फिल्म,पूरी हो गई ये दिली-तमन्ना

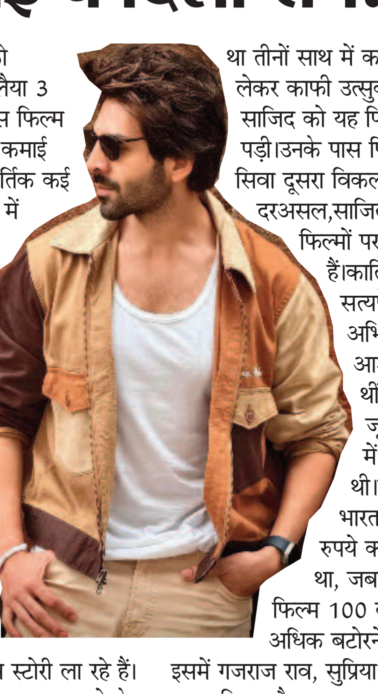

अभिनेता कार्तिक आर्यन को पिछली बार फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया और उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की। आने वाले दिनों में कार्तिक कई बड़ी और दिलचस्प फिल्मों में नजर आने वाले हैं।उनके खाते से एक और नई फिल्म जुड़ गई है, जिसके निर्देशन की कमान एक बार फिर सत्यप्रेम की कथा के निर्देशक समीर विद्वांस ने संभाली है। उधर निर्माता साजिद नाडियाडवाला फिल्म से बाहर हो गए हैं। सत्यप्रेम की कथा के बाद फिर कार्तिक और समीर साथ काम करने वाले हैं। वे दोबारा एक लव स्टोरी ला रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के साथ साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सत्यप्रेम की कथा की शूटिंग के दौरान, कार्तिक,समीर से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उनके साथ दोबारा काम करने की इच्छा जाहिर की थी। यहां तक कि उन्होंने समीर से एक बार फिर रोमांटिक ड्रामा फिल्म बनाने की बात कही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्देशक ने हाल ही में कार्तिक को एक स्क्रिप्ट दी, जिसके लिए उन्होंने तुरंत हां कर दी।फिल्म के लिए निर्देशक की पहली पसंद निर्माता साजिद नाडियाडवाला थे, जिन्होंने उनके साथ सत्यप्रेम की कथा में काम किया था तीनों साथ में काम करने को लेकर काफी उत्सुक थे, लेकिन साजिद को यह फिल्म ठुकरानी पड़ी।उनके पास फिल्म ठुकराने के सिवा दूसरा विकल्प नहीं था। दरअसल,साजिद पहले से ही 4 फिल्मों पर काम कर रहे हैं।कार्तिक के साथ सत्यप्रेम की कथा में अभिनेत्री कियारा आडवाणी नजर आई थीं। यह फिल्म 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।इस फिल्म ने भारत में 77.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि दुनियाभर में फिल्म 100 करोड़ रुपये से अधिक बटोरने में सफल रही। इसमें गजराज राव, सुप्रिया पाठक, शिखा तलसानिया और राजपाल यादव जैसे कलाकार भी नजर आए।सिनेमाघरों के बाद सत्यप्रेम की कथा ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर आई थी।ब्लॉकबस्टर फिल्म भूल भुलैया 3 के बाद से कार्तिक ने अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है। उनके खाते में अनुराग बसु और भूषण कुमार की भी एक फिल्म है, लेकिन इसकी शूटिंग कब शुरू होगी, फिलहाल यह जानकारी नहीं मिली है।पति पत्नी और वो के सीक्वल से भी कार्तिक का नाम जुड़ चुका है। अभिनेता अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी का सीक्वल भी लेकर आ रहे हैं।

बॉबी देओल ने इस फिल्म में निभाया था धर्मेंद्र के बचपन का किरदार,मांगी प्रोड्यूसर के सामने फीस तो पिता ने रख दी थी हाथ पर ये रकम

देओल फैमिली के दमदार एक्टर बॉबी देओल ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं और बीते साल एक्शन ड्रामा फिल्म एनिमल से बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की थी। बॉबी देओल हिंदी सिनेमा में बतौर चाइल्ड स्टार काम कर रहे हैं। बॉबी ने अपने सुपरस्टार पिता धर्मेंद्र की फिल्मों में चाइल्ड स्टार काम किया है। फिल्म थी धर्मवीर, जिसमें उन्होंने अपने पिता धर्मेंद्र के बचपन का रोल प्ले किया था। वहीं, फिल्म में बॉबी देओल को अपने पिता के बचपन का रोल कैसे मिला इस पर इस पर एक्टर ने खुलासा किया है. फिल्म धर्मवीर 1977 में रिलीज हुई थी और इस वक्त बॉबी की उम्र 5 से 6 साल की थी।

धर्मवीर में कैसे मिला काम?

एक इंटरव्यू में बॉबी देओल ने बताया, मैं 5 से 6 साल का था। मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहता था,पापा की फिल्म धर्मवीर की शूटिंग हो रही थी और उन्हें एक बच्चा चाहिए था, जिसकी टांगे पापा की तरह हैवी हो, लेकिन उन्हें ऐसा कोई भी बच्चा नहीं मिल पाया,वहीं, एक मिला भी तो वह काफी कमजोर था, फिर पापा ने मेरे बारे में सोचा, उन्होंने मुझसे पूछा,क्या तुम मेरी फिल्म में काम करोगे?.मेरा रोल करोगे? मैंने पापा को हां कह दिया,जब हम बच्चे होते हैं तो हमें किसी तरह का डर और हिचकिचाहट नहीं होती है, क्योंकि वो उम्र बेहद खूबसूरत होती है।

रातों-रात तैयार हुई ड्रेस

जब बॉबी से रोल की लेदर ड्रेस पर बात हुई है एक्टर ने कहा, यह ड्रेस रातों-रात तैयार हुई थी, क्योंकि हमें अगले दिन शूट करना था,और उन दिनों मैंने अंडरवियर नहीं पहना था,मैं शूटिंग कर रहा था,उन्होंने मुझे यह ड्रेस पहनाई और मैं सोच रहा था कि वे मुझे यह ड्रेस क्यों पहना रहे हैं? मैंने भंवरलाल से पूछा, जो मेरे पिता के साथ काम करते थे,भंवरलाल मेरे पास चड्डी नहीं है, मैं इसे कैसे पहनूंगा? उसने मुझे ड्रेस के नीचे पहनने के लिए शॉर्ट्स की एक जोड़ी दी।

बॉबी ने रोल के लिए मांगी अपनी फीस

बॉबी ने पिता की फिल्म में काम करने के लिए फीस मांगी थी। उन्होंने कहा, मैंने एक सीन किया और अपने पिता से पूछा कि मेरे पैसे कहां हैं? मैंने काम किया है, मुझे अपना पैसा चाहिए, उन्होंने कहा,आओ मैं दे दूंगा,तुम चुप रहो,उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहें क्योंकि फिल्म के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर वहीं खड़े थे,मैं कार में बैठ गया और उन्होंने मुझे 10,000 रुपये का बंडल दिया और कहा कि इसे अपनी दादी को दे आओ और देखना कि यह स्टाफ में बंट जाए।

बॉबी को मिला खास गिफ्ट

बॉबी ने आगे बताया, मैं एक्साइटेड होकर घर जा रहा था,मैं बहुत खुश था, मैंने अपने दादी को पैसा दिया ताकि वह इसे बाट सके, मैंने घर में कई रिकॉर्ड तोड़े ताकि मैं अपनी बहनों और चाचियों को दिखा सकूं कि मैंने फिल्म में क्या किया, मुझे बहुत खुशी थी, जब फिल्म की सिल्वर जुबली सेरेमनी थी, तो मैं पुरस्कार समारोह में गया था, उन्होंने मेरे नाम पर एक खास अवॉर्ड बनाया था।

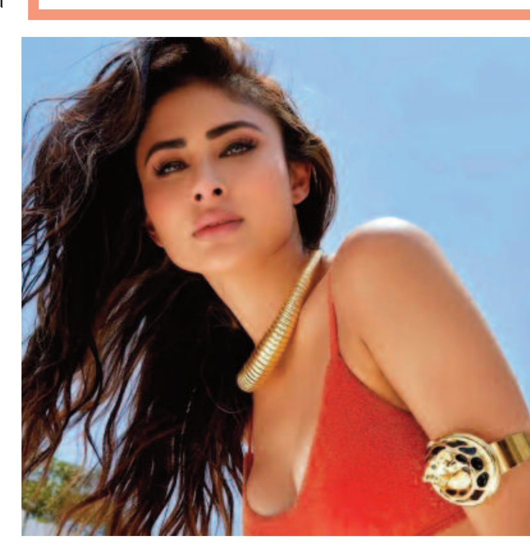

मौनी रॉय ने जताई डांस आधारित फिल्म में काम करने की इच्छा

एंटरप्रेन्योर-अभिनेत्री मौनी रॉय का ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से सुर्खियां बटोरना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में एक बातचीत में, उन्होंने विभिन्न डांस कला को सीखने के अपने जुनून का खुलासा किया और एक डांस-आधारित फिल्म करने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने साझा किया, मुझे विभिन्न प्रकार के डांस सीखना पसंद है, और कहा, मैं एक दिन ऐसी फिल्म पर काम करने के अवसर की प्रतीक्षा कर रही हूं!मौनी अक्सर अपने सोशल मीडिया के जरिए डांस के प्रति अपना दीवानगी जाहिर करती रहती हैं। वह अक्सर विभिन्न डांस शैलियों में अपने प्रदर्शन के वीडियो और इम्प्रोम्टू डांस सेशन साझा करती हैं। पर्दे पर अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर अभिनेत्री ने खुलासा किया कि डांस उनकी लव लैंग्वेज है और यह उनके दिल में एक विशेष स्थान रखती है।वर्तमान में, मौनी कई रोमांचक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है कि आगे क्या होगा। वह सक्रिय रूप से कई दिलचस्प स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं। डांस के प्रति अपने बढ़ते उत्साह और आशाजनक परियोजनाओं के साथ, मौनी रॉय अपने ऑन-स्क्रीन करिश्मा से अपने प्रशंसकों को प्रभावित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

CMYK

जल जीवन मिशन में अनियमितता को लेकर सदन में हंगामा

रायपुर,16 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन ध्यानाकर्षण पर चर्चा के दौरान जल जीवन मिशन में अनियमितता का मुद्दा उठा। पीएचई मंत्री अरुण साव ने बताया कि पहले जल स्त्रोत की व्यवस्था करने के बाद ढांचा बनाए जाने के नियम है लेकिन प्रदेश में 994 क्रियान्वयन में विलंब हुआ। योजना के तहत अब तक 39 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन दिया गया है। इस पर अजय चंद्राकर ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत सरकार की वेबसाइट और आपके द्वारा दिए आंकड़े में अंतर है। पहले जल स्त्रोत की व्यवस्था करनी चाहिए थी, या टंकी ढांचा टंकियां बनाने के बाद अब जल स्त्रोत की व्यवस्था की जा रही है। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने ध्यानाकर्षण पर चर्चा के दौरान जल जीवन मिशन में अनियमितता का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले के कई गांवों में गड़बड़ी की गई। ग्रामीणों को नल कनेक्शन नहीं मिला. इस पर पीएचई मंत्री अरुण साव ने कहा कि कोविड के कारण योजना के का निर्माण करना था। इसके साथ ही उन्होंने इस संदर्भ में भारत सरकार की गाइडलाइन जानकारी मांगी। मंत्री अरुण साव ने कहा कि पहले जल स्त्रोत की व्यवस्था करने के बाद ढांचा बनाए जाने के नियम है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा कि 17 करोड़ से अधिक बारदाने एक हजार करोड़ की कीमत में खरीदे जा रहे हैं और इनका वजन स्टैंडर्ड

धान खरीदी ठप्प,विधानसभा में भूपेश बघेल ने किया हंगामा

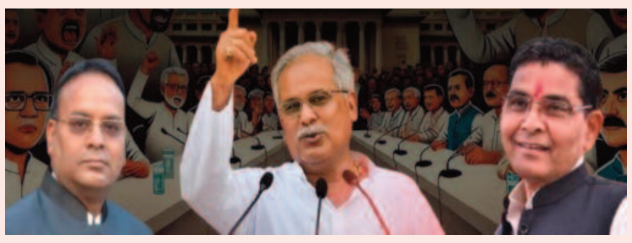

छत्तीसगढ़ विधानसभा में शून्यकाल के दौरान विपक्ष ने उठाया प्रदेश में धान खरीदी का मुद्दा उठाया. विपक्ष की मांग पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई. इसके साथ ही विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए हंगामा मचाना शुरू कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने हस्ताक्षेप करते हुए हंगामा को शांत कराया. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने धान खरीदी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि धान खरीदी में ऑनलाइन और ऑफलाइन के चक्कर में किसान परेशान हैं। 16 दिसम्बर हो गया है, लेकिन अब तक एक-तिहाई धान नहीं खरीदा गया। धान खरीदी केंद्रों में अव्यवस्था है। प्रदेश में बहुत सारे धान खरीदी केंद्र ऐसे हैं, जहां खरीदी नहीं हो रही है। भूपेश बघेल ने कहा कि प्रदेश में किसानों को बारदाने की व्यवस्था नहीं हो रही है। राइस मिलर का पेमेंट नहीं मिल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने धान खरीदी में किसानों की परेशानी पर सदन में चर्चा कराने की मांग की। विपक्ष के आरोपों पर सत्ता पक्ष से अजय चंद्राकर ने कहा कि राइस मिलर का भुगतान कांग्रेस शासनकाल से अटका हुआ है।

बारदाना खरीदी पर नेता प्रतिपक्ष महंत ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप,विपक्ष ने किया वॉकआउट

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने बारदाना खरीदी में भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने विधानसभा की कमेटी से मामले की जांच कराने की मांग की। इस आरोप को खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने खारिज कर दिया, जिसके बाद नाराज विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया।

बारदाने से 100 ग्राम तक कम है। उनका आरोप था कि यह खरीदारी निजी जूट मिलों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से की जा रही है। इस पर खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि गौरीशंकर जूट मिल के बारदाने पर शिकायत आई थी, लेकिन जिला प्रशासन ने जांच की, जिसमें बारदाने को अमानक नहीं पाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि निजी जूट मिलों को कोई भी फायदा नहीं पहुंचाया गया है और किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं हुई है। महंत ने फिर कहा कि बारदाना का वजन 580 ग्राम होना चाहिए, जबकि केंद्रों तक पहुंचने वाले बारदानों का वजन 480 ग्राम है। मंत्री ने इसका जवाब देते हुए कहा कि जूट मिल कमिश्नर के द्वारा परीक्षण के बाद ही बारदाना भेजा जाता है। महंत ने तरेंगा सोसाइटी में आरोप लगाए थे, जहां जिला प्रशासन ने जांच की और बारदाना अमानक नहीं पाया। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि बारदाना का वजन नमी के कारण कम हो सकता है, लेकिन जांच के बाद इसका वजन 545 ग्राम था। महंत ने फिर इस मामले में बड़े भ्रष्टाचार की संभावना जताते हुए विधानसभा की कमेटी से जांच की मांग की। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने इसे नकारते हुए कहा कि जांच की जरूरत नहीं है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया।

छत्तीसगढ़ में बीते 6 वर्षों में 27 आईएएस और 24 आईएफएस अफसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में है शिकायत

छत्तीसगढ़ विधानसभा में बिल्हा विधानसभा के विधायक धरम लाल कौशिक ने प्रश्नकाल में आईएएस और आईएफएस अफसरों के पदों की जानकारी के अलावा अफसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में चल रही जांच के संबंध में सवाल पूछा। जिसके जवाब में बताया गया कि बीते 6 वर्षों में 27 आईएएस और 24 आईएफएस अफसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतें की गईं, जिनकी जांच एवं कार्यवाही के संबंध में क्रमवार जानकारी दी गई है।विधायक धरम लाल कौशिक ने सवाल पूछा कि प्रदेश में कुल कितने आईएएस व आईएफएस अधिकारी के पद स्वीकृत, भरे व रिक्त हैं? इनमें से किन-किन अधिकारियों के विरूद्ध वर्ष 2019 से ईओडब्ल्यू, एसीबी, ईडी, सीबीआई एवं अन्य केन्द्रीय जांच एजेंसी के द्वारा कब से एवं किस विषय से संबंधित जांच की गई / की जा रही है? किन-किन केन्द्रीय एजेंसी द्वारा, किस- किस अधिकारी के विरूद्ध चालान, सम्मन व प्रकरण दर्ज होने की जानकारी छ.ग. शासन को दी गई है तथा इनके विरूद्ध शासन द्वारा क्या-क्या कार्यवाही की गई है? इस सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बताया कि प्रदेश में आईएएस के कुल 202 पद स्वीकृत, 161 भरे एवं 41 पद रिक्त है तथा आईएफएस के कुल 153 पद स्वीकृत, 108 भरे एवं 45 रिक्त है। ईओडब्ल्यू/एसीबी, द्वारा वर्ष 2019 से अब तक कुल 27 आईएएस अधिकारियों के विरूद्ध 11 अपराध, 01 प्रारंभिक जांच व 31 शिकायत पंजीबद्ध कर जांच की गई/की जा रही है तथा 24 आईएफएस अधिकारियों के विरूद्ध विभिन्न विषयों में कुल 31 शिकायत पंजीबद्ध कर जांच की गई/की जा रही है। वहीं यह भी बताया गया कि केन्द्रीय जांच एजेंसी द्वारा की जा रही जांच की जानकारी राज्य शासन के पास उपलब्ध नहीं है।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने अवैध कब्जे पर कार्रवाई कराने की घोषणा की

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान सरकारी जमीन की अफरा-तफरी का मुद्दा सदस्यों ने उठाया. राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने शिकायतों की जांच कलेक्टर से कराने की आश्वासन दिया(प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू होते ही बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने बिलासपुर जिले में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा का मुद्दा उठाया. कहा कि जिले के कई जगहों पर भूमि पर अवैध कब्जा हुआ है। इस पर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने बताया कि 2021 से 2024 सरकारी भूमि पर कब्जे की 563 शिकायतें प्राप्त हुई। इस पर सदस्य ने सवाल किया कि कितने अफसरों पर कार्यवाही हुई. इस पर मंत्री ने कहा कि अभी पट्टा वितरण नहीं हुआ। पिछली सरकार में गलत ढंग से गलत पट्टा बंटा हो तो उसकी जांच कराएंगे। विधायक धरमजीत सिंह ने कहा कि सरकारी जमीन की अफरा-तफरी हुई है। इस पर राजस्व मंत्री टंक राम ने कहा कि शिकायतों की जांच कलेक्टर से कराएंगे.।

7 लोगों की मौत पर विष्णुदेव साय ने जताया शोक

बालोद,16 दिसम्बर 2024(ए)। जिले में दर्दनाक सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देर रात डौंडी क्षेत्र के करीब की बताई जा रही है। जायलो कार में 13 लोग सवार होकर जा रथे थे, इसी दौरान ओवरटेक कर रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की जान चली गई, जिनमें एक बच्चा, 4 महिलाएं और 1 पुरुष भी शामिल है। बाकी 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें राजनांदगांव जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने बड़ी मशक्कत कर घायलों को कार से बाहर निकाला। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर फरार हो गया। सीएम ने किया ट्वीट - बालोद जिले के भानुप्रतापपुर-दल्लीराजहरा मार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद है। दुर्घटना में अन्य कुछ लोगों के घायल होने की भी खबर है। जिला प्रशासन को घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से दिवंगतों की शांति व घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ।

दंतेवाड़ा में आईईडी ब्लास्ट,ग्रामीण की मौत

दंतेवाड़ा,16 दिसम्बर 2024(ए)। एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। यहां आईईडी की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं घटना की सुचना मिलने के बाद जवान मौके पर पहुंच गए हैं और जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, बारसूर थाना क्षेत्र के जंगल में नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए आईईडी बम लगाया गया था। वहीं लकड़ी बीनने जंगल गया ग्रामीण उस आईईडी बम की चपेट में आ गया और ब्लास्ट में उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद जवान मौके पर पहुंच गई है और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कद्दावर नेता बृजमोहन अग्रवाल के भाई के राइट हैंड जैन सहित बीजेपी नेता की राइस मिल सील

रायपुर,16 दिसम्बर 2024 (ए)। प्रशासनिक कार्रवाई की जद अब गरियाबंद के बीजेपी नेता गफ्फू मेनन और रायपुर के प्रमोद जैन की राइस मिल आ गई है। प्रमोद जैन सांसद बृजमोहन अग्रवाल के भाई, राइस मिल एसोसिएशन के प्रमुख योगेश अग्रवाल के करीबी हैं।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी चल रही है। इसमें राइस मिल संचालकों का सरकार को अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है। सरकार ने भी सख्त रुख अख्तियार करते हुए राइस मिल्स पर कार्रवाई शुरू कर दी है। अनियमितताएं मिलने पर मिल्स सील की जा रही हैं। ऐसी ही कार्रवाई की जद में गरियाबंद के बीजेपी नेता गफ्फू मेनन और रायपुर के प्रमोद जैन की राइस मिल आ गई। प्रमोद जैन सांसद बृजमोहन अग्रवाल के भाई, राइस मिल एसोसिएशन के प्रमुख योगेश अग्रवाल के करीबी हैं और एसोसिएशन के पदाधिकारी भी हैं।

आरटी राइस मिल के संचालक हैं जैन..

खाद्य विभाग की टीम ने रायपुर में आरटी राइस मिल में चेकिंग की थी। इसके प्रोपराइटर प्रमोद जैन हैं। यहां खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के तहत कस्टम मिलिंग के लिए पंजीयन कराने के बावजूद नियम का पालन नहीं किया गया था। शासकीय धान का उठाव नहीं हो रहा था। निरीक्षण के दौरान 390 क्विंटल उसना चावल और 1200 क्विंटल धान फ्री सेल प्रयोजन के लिए पाया गया, जो छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश, 2016 का उल्लंघन है। टीम ने मिल परिसर को सील कर दिया। धान चावल जब्त किया गया है।

गौरी राइस मिल में अनियमितता..

रायपुर में ही गौरी राईस मिल (प्रो. मुकेश अग्रवाल) में भी गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के अनुबंध के तहत भारतीय खाद्य निगम में जमा किए जाने वाले 2272 क्विंटल चावल के मुकाबले केवल 872 क्विंटल चावल ही मिल में पाया गया। इसके अतिरिक्त, खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए अनुबंध निष्पादित करने के बावजूद शासकीय धान का उठाव नहीं किया गया। छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग आदेश 2016 के उल्लंघन के चलते टीम ने मिल को सील कर दिया।

पटवारी संघ ने किया ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार

तकनीकी संसाधनों की मांग को लेकर बड़ा संकट...

रायपुर,16 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के पटवारी संघ ने आज से तकनीकी संसाधनों की कमी को लेकर ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार शुरू कर दिया है। यह कदम बीते छह महीने से पटवारी कार्यालयों में आवश्यक संसाधनों के न मिल पाने के कारण उठाया गया है, जिसको लेकर पहले ही अल्टीमेटम दिया गया था। अब इसका असर राजस्व विभाग के कामकाज पर सीधा पड़ने की संभावना है। पटवारी संघ ने प्रदेश के राजस्व मंत्री और सचिव सहित आला अफसर को अल्टीमेटम दिया था कि यदि 15 दिसंबर तक तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं कराए गए, तो वे अपने कामकाज में रुकावट डालेंगे। संघ ने इस बहिष्कार की शुरुआत 9 दिसंबर से काली पट्टी बांधकर चरणबद्ध आंदोलन के रूप में की थी, और अब शासकीय वाट्सऐप ग्रूप का भी बायकॉट कर दिया है। इस बहिष्कार का सबसे ज्यादा असर धान खरीदी सीजन पर पड़ सकता है। यदि इस दौरान किसानों के खातों में कोई त्रुटि हुई, तो उसे सुधारने में मुश्किल हो सकती है। इसके अलावा, भूमि रजिस्ट्री, भूमि सुधार, और भुईयां के कार्य भी पूरी तरह से ठप हो सकते हैं। यह स्थिति किसानों के लिए भी परेशान करने वाली हो सकती है, क्योंकि उन्हें अपने खातों में सुधार करने के लिए पटवारियों पर निर्भर रहना पड़ता है। पटवारी संघ ने मांग की है कि जल्द से जल्द तकनीकी संसाधन मुहैया कराए जाएं ताकि विभागीय कार्यों में कोई रुकावट न आए और किसानों को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर ओलम्पिक के तहत का किया विधिवत शुभारंभ

» **बस्तर संभाग के सातों जिलों और नुवाबाट के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत कर दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध**

» **बस्तर के युवा लोकतंत्र के विकास के मार्ग में आगे आकर बन रहे सहभागी:उप मुख्यमंत्री**

रायपुर,16 दिसम्बर 2024(ए)। बस्तर ओलम्पिक 2024 के तहत संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का शनिवार को स्थानीय इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में विधिवत शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने समूचे बस्तर संभाग के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बस्तर संभाग के सभी सातों जिलों के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने प्रतियोगिता शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि बस्तर के युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में स्पर्धा में भाग लेकर इस महत्ती आयोजन का प्रतिभागी बने।

सरकार बस्तर के युवाओं को समाज की मुख्यधारा में शामिल कर विकास में सहभागी बनाने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। यही वजह है कि बस्तर के युवा लोकतंत्र के विकास के मार्ग में आगे आकर भूमिका निभा रहे हैं। बस्तर ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता के विजेता विकास के मॉडल होगें। बस्तर की गांव-गांव में विकास की धारा पहुंचे, इस दिशा में सरकार हर संभव प्रयास कर रही है, जिससे आने वाले दिनों में बस्तर में चहुंओर शांति और विकास की बयार बहेगी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है और इस धरा का समग्र विकास करने के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा है। बस्तर ओलम्पिक यहां के युवाओं को खेल की दृष्टि से आगे बढ़ाए जाने की पहल के साथ उन्हें विकास में सहभागिता निभाने प्रोत्साहित करना है। बस्तर में खेल के अधोसंरचना को और बेहतर किया जाएगा, ताकि खिलाडियों को उचित मंच दिया जा सके। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल जितना सिखाता है हार से भी हमको अच्छा करने की प्रेरणा देता है। इस दौरान खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि जिंदगी की असली उड़ान का यही समय है, इसी मौके पर युवा अपने हर सपने को साकार कर सकते हैं। बस्तर ओलम्पिक युवाओं को विकास के मुख्यधारा से जोड़ने का सकारात्मक प्रयास है। भविष्य में इस दिशा में और बेहतर पहल किया जाएगा।

पुरंदर ने अमित शाह को भेंट किया खूबसूरत कोलाज

» **देखकर खुश हुए गृह मंत्री**

» **क्या थी इसमें खास बात कि मुस्कुरा पड़े शाह...**

रायपुर,16 दिसम्बर 2024(ए)। रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने छत्तीसगढ़ प्रवास में आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक खूबसूरत कोलाज भेंट किया जिसे देखकर शाह अपनी मुस्कुराहट रोक नहीं पाए। दरअसल कोलाज कुछ ऐसा था कि वो वहां मौजूद लोगों को सुखद अनुभूति दे गया। केंद्रीय मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दौरे पर थे। माना विमानतल कल जब पुरंदर मिश्रा के स्वागत करने की बारी आई तो उन्होंने अमित शाह को खूबसूरत प्रतिकृति स्कल्पचर भेंट किया। इस देखकर शाह प्रसन्नचित हो गए। दरअसल पुरंदर मिश्रा ने यह चित्र विशेष तौर पर शाह के लिए बनवाया था। चित्र में अमित शाह और सरदार पटेल को एक साथ दर्शाया गया है। मिश्रा ने लिखा, सशक्त राष्ट्र के शिल्पकार, सरदार पटेल अपने दौर के लौह पुरुष थे जबकि शाह आज के दौर के लोहपुरुष हैं दोनों नेता गुजरात से आते हैं। अमित शाह की रणनीति का कमाल है कि आज बस्तर से नक्सलवाद अंतिम सांसें ले रहा है। सरदार पटेल ने भी कश्मीर को बचाने के लिए बेहद सफल प्रयास लिए थे।

मोबाइल के चक्कर में एक और बच्ची ने उठाया खतरनाक कदम

बिलासपुर,16 दिसम्बर 2024 (ए)। मोबाइल फोन आज हर किसी के पास है। कई घरों में तो स्मार्टफोन हर एक सदस्य के पास है तो कुछ घरों में बच्चों को भी पर्सनल फोन दे दिया गया है। लेकिन इस मोबाइल की लत से न सिर्फ पैरेंट्स परेशान है बल्कि इसे दूर करने के चक्कर में बच्चे खुद को भी खत्म करने जैसा खतरनाक कदम उठाने से नहीं डरते हैं। ऐसा ही एक मामला फिर से शहर में आया है। जहां पर 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा ने मोबाइल के चक्कर में फांसी लगाकर खुद को खत्म कर लिया है।

मामला सरकण्डा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक एंजल जैसवानी नाम की छात्रा अपने परिजनों के साथ थी वह कक्षा 9वीं की छात्रा थी। बताया जा रहा है कि शनिवार की रात वह अपने परिजनों के साथ थी तब उसके परिजनों ने छात्रा से मोबाइल छिन लिया था।

जिससे बच्ची नाराज थी और देर रात को अपने कमरे में पंखे पर फंदा लगाकर फांसी लगा ली। घटना की जानकारी जब माता-पिता को हुआ तो उन्होंने तुरंत ही फंदा काटकर बच्ची को अपोलो अस्पताल में पहुंचाया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी बच्ची की सांसे थम गई थी। बताया जा रहा है कि बच्ची मोबाइल फोन बहुत ज्यादा चलाती थी। इससे वह न तो पढ़ाई पर ही से ध्यान दे रही थी और न ही घर में किसी की बात सुनती थी।ऐसे में परेशान होकर पैरेन्ट्स ने उससे मोबाइल फोन छिन लिया था और कमरे में जाकर पढ़ाई करने के लिए कहा तो आशंका जताई जा रही है कि इसी बात से नाराज होकर बच्ची ने यह आत्मघाती कदम उठाया है। घटना के बाद अपोलो में उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद घटना की सूचना सरकण्डा थाने में दी गई। इस पर पुलिस ने शव का पंचनामा कर बाद में पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद छात्रा के शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)